रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार | 16 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक :16 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय रेल मंत्री ने किया साफ, मदुरै-थूथुकुडी परियोजना के लिए नहीं है कोई भूमि समस्या,

एजेंसी

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में एक प्रेस वार्ता से उत्पन्न भ्रम के बाद स्पष्ट किया है कि मदुरै-थूथुकुडी रेल परियोजना के संबंध में तमिलनाडु सरकार की ओर से कोई भूमि संबंधी मुद्दे नहीं हैं। 10 जनवरी को पेरम्बूर में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में एक प्रेस वार्ता के दौरान, केंद्रीय रेल मंत्री ने तमिलनाडु में कई परियोजनाओं के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब दिए। फैक्ट्री के शोर की पृष्ठभूमि के बीच, मदुरै-थूथुकुडी रेल परियोजना से संबंधित एक प्रश्न को गलती से धनुषकोडी परियोजना के संदर्भ में सुना गया। मंत्री की प्रतिक्रिया, जो धनुषकोडी लाइन परियोजना से संबंधित थी, ने उल्लेख किया कि तमिलनाडु सरकार ने रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि भूमि और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण परियोजना को छोड़ दिया जाए। हालाँकि, मीडिया ने मदुरै-थूथुकुडी परियोजना का उल्लेख करने के लिए मंत्री के जवाब को गलत समझा, जिससे व्यापक अटकलें और आलोचना हुई।

नवी मुंबई में बना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर,

पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

पीएम मोदी ने बुधवार (16 जनवरी) को नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन द्वारा स्थापित श्री श्री राधा मोहन मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने सेवा का असली अर्थ समझाया है कि यह निःस्वार्थ और व्यक्तिगत लाभ से परे होनी चाहिए।

एजेंसी

नवी मुंबई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (16 जनवरी) को नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन द्वारा स्थापित श्री श्री राधा मोहन मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की वास्तुकला की प्रशंसा करते हुए इसे आस्था और विज्ञान का अनूठा संगम बताया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत 'हरे कृष्णा... हरे कृष्णा' के पवित्र मंत्र से की और इस्कॉन के प्रयासों को ज्ञान और भक्ति की पवित्र भूमि पर एक महत्वपूर्ण योगदान करार दिया।नवी मुंबई का इस्कॉन मंदिर युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगामंदिर परिसर में महाभारत और रामायण पर आधारित एक आधुनिक संग्रहालय बनाया गया है, जो खासतौर पर युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। इसके अलावा, वृंदावन के 12 पवित्र वनों से प्रेरित एक सुंदर उद्यान भी विकसित किया गया है।

भारत एक जीवंत और सांस्कृतिक परंपरा है: मोदीअपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से बंधा एक भूखंड नहीं है, यह एक जीवंत और सांस्कृतिक परंपरा है। हमारी संस्कृति की चेतना इसकी आध्यात्मिकता में निहित है। भारत को समझने के लिए इसकी आध्यात्मिक आत्मा को अपनाना जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विविध भाषाओं और परंपराओं में एकता का भाव इसकी सांस्कृतिक चेतना में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।सेवा का असली अर्थपीएम मोदी ने सेवा को भारतीय आध्यात्मिकता का मूल बताया। उन्होंने कहा कि हमारी आध्यात्मिक संस्कृति निःस्वार्थ सेवा के सिद्धांत पर आधारित है। भगवान कृष्ण ने सेवा का असली अर्थ समझाया है- यह निःस्वार्थ और व्यक्तिगत लाभ से परे होनी चाहिए।पीएम मोदी ने इस्कॉन द्वारा कुम्भ मेले जैसे बड़े आयोजनों में किए गए सेवा कार्यों की सराहना की और इसे भारत के सामूहिक आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतीक बताया।इस्कॉन ने दुनिभर में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा दियाइस्कॉन ने अपने शिक्षाओं और कार्यों के माध्यम से विश्व स्तर पर भक्ति और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया है। पीएम मोदी ने इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए इसे वैश्विक एकता का अनूठा माध्यम बताया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ED की कार्रवाई, पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को किया गिरफ्तार

एजेंसी

छत्तीसगढ़:प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को कथित करोड़ों रुपये के शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया।एजेंसी के एक सूत्र ने बताया कि सुकमा के कोंटा से छह बार के विधायक लखमा से पिछले कुछ दिनों से ईडी के रायपुर में पूछताछ की जा रही थी। आरोप है कि यह घोटाला पिछली कांग्रेस सरकार के तहत हुआ था, जिसमें लखमा भी शामिल थे।अदालत ले जाते समय लखमा ने खुद को निर्दोष बताते हुए संवाददाताओं से कहा कि मेरे पास से एक पैसा भी नहीं मिला है, लेकिन फिर भी उन्होंने मुझे गिरफ्तार कर लिया है। मैं उनका सहयोग कर रहा था। भाजपा मेरे जैसे गरीब आदमी को झूठा फंसा रही है। लेकिन मैं बस्तर के मुद्दे उठाता रहूंगा। 28 दिसंबर को ईडी ने लखमा से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की, जिसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में उनका आधिकारिक आवास और सुकमा में उनके बेटे हरीश का आवास भी शामिल था। ईडी की छापेमारी के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, लखमा ने कहा उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे शराब घोटाले के बारे में पता है।

खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए समर्पित प्रयास कर रही है सरकार: मुख्यमंत्री शर्मा

एजेंसी

राजस्थान:राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए समर्पित ढंग से प्रयास कर रही है। शर्मा मंगलवार को उदयपुर के खेड़ा कानपुर में 37वीं डांगी-पटेल समाज खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने यहां जारी आधिकारिक बयान में कहा कि जीवन में धैर्य और अनुशासन से ही व्यक्ति सफल हो पाता है और खेलों में भी धैर्य व अनुशासन ही जीत की कुंजी हैं। खेलों से अनुशासन, परिश्रम, सामाजिकता एवं देशप्रेम का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए समर्पित ढंग से प्रयास कर रही है।प्रत्येक स्तर पर खेलों के प्रोत्साहन हेतु समुचित वातावरण तैयार करने के लिए खेल-इन्फ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान, विश्लेषण, परामर्श और पोषण का समावेश करते हुए खेल नीति लाई जा रही है। इसके साथ ही, खिलाड़ियों को विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देकर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है।

सम्राट चौधरी का ऐलान, भोजपुर, मधेपुरा सहित छह जिलों में गंगा-कोसी नदियों पर बनेंगे पीपा पुल

एजेंसी

न्पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार ने राज्य के भोजपुर, बक्सर, मधेपुरा, खगड़िया, समस्तीपुर और वैशाली जिलों में गंगा और कोसी नदियों पर तीन बडे.पीपा पुल बनाने के लिए 56 करोड़ 81 लाख से अधिक राशि मंजूर की, जिससे इन नदियों के दोनों ओर बसे सैंकड़ों गावों के लगभग 10 लाख लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी और नावों पर इनकी निर्भरता समाप्त हो जाएगी। चौधरी ने कहा कि भोजपुर जिला अन्तर्गत महुली घाट से सिताब दियारा के बीच गंगा नदी पर प्रस्तावित 732 मीटर लंबा पीपा पुल बिहार के (भोजपुर जिला) और उत्तर प्रदेश

के सिताब दियरा (बलिया जिला) के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला होगा। इसके लिए कुल 1520,06 लाख रुपए (पन्द्रह करोड़ बीस लाख छः हजार) की स्वीकृति दी गई है। चौधरी ने कहा कि मधेपुरा से खगड़िया के बीच कोसी नदी पर मधेपुरा के जीरो माइल से कपासिया घाट के बीच 500 मीटर लंबाई में 25.13 करोड़ रुपये की लागत से पीपा पुल का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि पीपा पुल बनने से मधेपुरा और खगड़िया जिले के लगभग 14 पंचायतों के 80 हजार लोगों के आवागमन में सुविधा होगी। चौधरी ने बताया कि बक्सर जिले के नैनीजोर गांव और उत्तर प्रदेश के हल्दी गांव (बलिया) के बीच गंगा नदी पर 16.47 करोड़ रुपये की लागत से 732 मीटर लंबा पीपा पुल बनेगा।

प्रवेश वर्मा के खिलाफ चुनाव अधिकारी के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने लिया एक्शन, 'वोटर्स' को पहनाया था जूता

एजेंसी

नई दिल्ली:चुनाव अधिकारी ने बीजेपी प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए मतदाताओं को जूते बांटने का दोषी मानते हुए त्रक्षक्रदर्ज करने के आदेश दिए थे।दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा जूता विवाद में फंस गए हैं। चुनाव अधिकारी ने उन्हें आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए मतदाताओं को जूते बांटने का दोषी मानते हुए पुलिस को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

दिया था। जिसे लेकर प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। चुनाव अधिकारी ने रख्ड, मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन को लिखी अपनी चिट्ठी में शिकायत का हवाला दिया। शिकायतकर्ता एडवोकेट डॉ. रजनीश भास्कर ने आरोप लगाया कि प्रवेश वर्मा ने वाल्मीकि मंदिर के परिसर में महिलाओं को जूते बांटे और उन्हें पहनाया। शिकायत में दो वीडियो साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं, जो कथित तौर पर इस घटना की पुष्टि करते हैं। चुनाव अधिकारी ने अपने पत्र में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1) (ए) का हवाला दिया, जिसमें चुनावी लाभ के लिए उपहार बांटना भ्रष्ट आचरण माना गया है। आम आदमी पार्टी ने की सख्त कार्रवाई की मांगइस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी (अअढ) ने भाजपा पर निशाना साधा।

गौरव भाटिया का तंज, चुनाव हार रहे केजरीवाल, ध्यान भटकाने की अपना रहे रणनीति

एजेंसी

नई दिल्ली: भाजपा ने बुधवार को कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले रहे हैं, जिसमें उनके कई दावों का हवाला दिया गया है, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की संभावित गिरफ्तारी और भाजपा द्वारा रमेश बिधूड़ी को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करना शामिल है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने 'विश्वसनीय सूत्रों' का हवाला देते हुए दावा किया कि केजरीवाल विपक्ष के नेता के लिए

अमानतुल्ला खान और नरेश बालियान पर विचार कर रहे हैं क्योंकि भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलना तय है।

गौरव भाटिया ने कहा कि ये स्पष्ट होता जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भारत विरोधी गतिविधियों में अक्सर उन शक्तियों के साथ खड़े रहते हैं, जो भारत को कमजोर करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अरविंद केजरीवाल प्रेस वार्ता करके कहते हैं, विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि मनीष सिसोदिया के घर अगले कुछ दिनों में रेड होगी। तो वहीं दूसरी प्रेस वार्ता कर कहते हैं कि भाजपा से रमेश बिधूड़ी दिल्ली के मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे।

शुभेंदु अधिकारी ने महिला की मौत पर ममता की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की

एजेंसी

कोलकाता:कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर समयावधि बीत जाने के बाद इस्तेमाल किये गयइंट्रावेनस फ्लूइड के कारण प्रसव के बाद एक महिला की मौत के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की। यहां स्वास्थ्य भवन में भाजपा विधायकों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते तृणमूल प्रमुख आरोपों से खुद को मुक्त नहीं कर सकतीं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब महिला की मौत के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि बनर्जी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) में कथित तौर पर इस्तेमाल की अवधि खत्म हो चुके इंट्रावेनस फ्लूइड(शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिये नसों के माध्यम से दिया जाने वाला तरल) के इस्तेमाल के कारण बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य की हालत गंभीर है।इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए 13 सदस्यीय समिति गठित की। सोमवार को राज्य सरकार ने घटना की सीआईडी ??जांच के भी आदेश दिए। पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने राज्य के स्वास्थ्य सचिव एन एस निगम और (एमएमसीएच जहां महिला की मौत हुई थी) के अधीक्षक की गिरफ्तारी और इस्तीफे की भी मांग की। उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में एक जांच समिति और सीबीआई तथा सीआईडी ??दोनों को मिलाकर एक एसआईटी गठित करने की भी मांग की।

बिहार में दही-चूड़ा पॉलिटिक्स: मकर संक्रांति पर पशुपति पारस से मिले लालू यादव, महागठबंधन में शामिल होने का दिया न्योता

एजेंसी

पटना: मकर संक्रांति के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के भाई और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (फछखढ) के अध्यक्ष पशुपति पारस से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान लालू यादव ने महागठबंधन में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

महागठबंधन में शामिल होने पर क्या बोले पशुपति पारस?

जब पारस से इस बारे में महागठबंधन में शामिल होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, "अभी इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। लालू यादव

मेरे बड़े भाई जैसे हैं। हमारे बीच पारिवारिक संबंध हैं। जहां भी मिलते हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं। लेकिन महागठबंधन में शामिल होने को लेकर अभी कुछ कहना उचित नहीं होगा।" दही-चूड़ा भोज के लिए नेताओं को किया आमंत्रित

पारस ने मकर संक्रांति के मौके पर सभी दलों को अपने यहां दावत के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि मैंने एनडीए, आरजेडी, कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टियों सहित सभी दलों को आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी बुलाया था, लेकिन वह नहीं आए। उनसे पूछिए कि क्यों नहीं आए।एनडीए में नहीं रहेंगे पारस?

जब पारस से पूछा गया कि क्या एनडीए के साथ उनके दरवाजे अब बंद हो गए हैं। इसपर उन्होंने कहा कि चुनाव में अभी 10 महीने बचे हैं। अभी कुछ भी तय कहना मुश्किल है।

इसी साल होगा बिहार विधानसभा चुनाव243 विधानसभा सीटों वाली बिहार में 2025 के अंत में होने चुनाव होने हैं।

फतहपुर मदरसा के बच्चों ने मुकम्मल कुरान सुनाया

हाफिज बने छात्रों को लोगों ने दी बधाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
सीतामढ़ी।सोनबरसा प्रखंड के फतहपुर स्थित मदरसा दारूल उलूम गौसिया हेमायतुल इस्लाम से शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों ने हिफ्ज विभाग के हेड कारी व हाफीज सनाउल्लाह के निगरानी में एक बैठक में मुकम्मल कुरान सुनाया। इसके पश्चात मदरसा एवं गणमान्य द्वारा हाफिज बच्चों की दस्तारबंदी की गई तथा फूल का माला पहनाया गया। इस अवसर पर मदरसा द्वारा दुआ का प्रबंध किया गया। मदरसा के सचिव मौलाना शमीम अहमद खान ने हाफीज बने बच्चों को नसीहत दी तथा हाजी इजराइल ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की दुआ की। मो महताब आलम, अब्दुल कलाम, हामीद रजा, मो रेहान रजा, अब्दुस सुबहान, मो सलाहुद्दीन, मो असद रजा ने कुरान कंठस्थ कर हाफिज बने। मौके पर मौलाना नसीम अख्तर, हाफीज रजाउल्लाह, हाफीज तहसीन रजा, पूर्व मुखिया सदरे आलम खान, सरपंच जहांगीर अहमद खान, डॉ शकील खान समेत अन्य गणमान्य मौजूद थे।

लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी 18 को पटना में आगमन प्रतिमा कुमारी दास ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद
समस्तीपुर। बुधवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के आहवान पर समस्तीपुर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से नियुक्त प्रवेक्षक विधायक प्रतिमा कुमारी दास एवं ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अबू तमीम ने कहा कि आगामी 18 जनवरी 2025 को देश के महान नेता दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों, युवाओं, मजदूरों के मसीहा लोकसभा में विपक्ष के नेता जननायक राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर आम कांग्रेसजनों में जो उत्साह का माहौल है, उसे देखते हुए हमें आशा ही नहीं पूर्णविश्वास है की बड़ी संख्या में पटना पाटलिपुत्र की पावन धरती पर लोग उनके स्वागत के लिए एकत्रित होंगे। इस अवसर पर हम समस्तीपुर जिले के आम नागरिकों विशेष कर कांग्रेसजनों का आहवान करते हैं की वे अधिक से अधिक संख्या में पटना पधार कर देश के एक महान सपूत के स्वागत में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। विदित हो कि बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय शदाकत आश्रम में श्री गांधी आम कांग्रेसजनों से संवाद करेंगे तथा शदाकत आश्रम के जीर्णोद्धार के बड़े परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र नारायण झा, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष देविता कुमारी गुप्ता, कांग्रेस एससी विभाग के ज़िला अध्यक्ष कामेश्वर पासवान, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव मो मोहिउद्दीन, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी आदि उपस्थित थे।

प्रदेश उपाध्यक्ष के निजी आवास पर मिलन समारोह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) :- लोक जनशक्ति पाट्री (रामविलास) के प्रदेशउपाध्यक्ष अभय कुमार सिंह के मोरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बनवीरा स्थित उनके निजी आवास पर नव वर्ष एवं मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बीते 15 जनवरी को कार्यकर्ता मिलन समारो का आयोजन किया गया। आयोजित मिलन समारोह में हजारों की संख्या में मोरवा विधान सभा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान आगत अतिथियों ने दही-चुरा सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुफ्त लिया। मौके पर प्रदेशउपाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने कहा कि एकजुटता व सामजिक सद्भाव बढाने के लिए समय-समय पर यह मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। साथ हीं कार्यकताओं से संगठित होकर पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

समस्तीपुर में एल्युमिनियम फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट के बाद लोगों को उड़े चीथड़े, मची चीख-पुकार

ताजपुरसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर
समस्तीपुर/पूसा :- समस्तीपुर जिले के वैनी थाना क्षेत्र में स्थित एक अल्यूमीनियम फैक्ट्री में बॉयलर फटने से बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के अनुसर, वैनी थाना क्षेत्र में अल्यूमीनियम फैक्ट्री का बॉयलर फटने से एक मजदूर की मौत हो गई है जबकि आधा दर्जन मजदूर घायल हो गये हैं। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में बॉयलर फटने से अफरा-तफरी मच गई। चार लोगों को जख्मी हालत में बाहर निकाला गया है, वहीं अन्य लोगों को मलबे से बाहर निकालने के लिये जेसीबी को लाया गया है।आधिकारिक तौर पर सिर्फ एक ही मौत की बात अभी बतायी जा रही है। घटना के बाद सदर रऊड दिलीप कुमार व रऊढड संजय पांडेय घटनास्थल पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित करने में लगे हैं। हालांकि मौके पर पहुंचे प्रशासन के द्वारा लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। सदर रऊड दिलीप कुमार ने बताया कि एलमुनियम फैक्ट्री में ब्यालर का तापमान एकाएक बढ़ गया जिससे वह ब्लास्ट कर गया। एक मौत हुई है जिसकी अब तक पहचान नहीं हो सकी है वहीं घायलों को सदर अस्पताल भेजा गया है। जिला प्रशासन का रेसक्यू अभियान जारी है।

राजद के लिए सरकार का मतलब अपराधियों को छूट और भ्रष्टाचारियों को लूट का लाइसेंस : जयराम विप्लव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सह प्रदेश प्रवक्ता जयराम विप्लव ने राजद प्रवक्ता के बयान पर तीखा हमला बोला, जिसमें यादव ने कहा था कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है।जयराम विप्लव ने कहा कि, " राजद के लिए सरकार का मतलब है–अपराधियों को खुली छूट, भ्रष्टाचारियों को लूट का लाइसेंस और हर कीमत पर अपराधियों का संरक्षण।" उन्होंने कहा कि राजद शासनकाल में थाना से लेकर ब्लॉक तक दलाली के अड्डे चलाए जाते थे। सामाजिक न्याय के नाम पर वोट लेकर केवल अपने परिवार की तिजोरी भरना, राजद की असली नीति और नीयत रही है।विप्लव ने कहा, "राजद का जंगलराज बिहार के हर नागरिक के लिए एक त्रासदी था। उनके लिए सत्ता का मतलब विकास नहीं, बल्कि अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देना था। लेकिन बिहार की जागरूक जनता ने अब इस ठगी और परिवारवाद की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है।विप्लव ने कहा कि आज बिहार में ठऊअ की सरकार सुशासन का प्रतीक है। यहां न अपराधियों को बख्शा जाएगा और न ही भ्रष्टाचारियों को। सरकार की प्राथमिकता है–हर गरीब के घर में रौशनी पहुंचाना, हर युवा को रोजगार उपलब्ध कराना, और बिहार के हर कोने में विकास सुनिश्चित करना।जयराम विप्लव ने कहा कि जंगलराज का खेल अब खत्म हो चुका है। बिहार अब विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ठऊअ सरकार, बिहार के विकास और सुशासन की गारंटी है। अब जंगलराज की छूट नहीं, सुशासन की जरूरत को जनता आत्मसात कर चुकी है। ठऊअ सरकार, बिहार के विकास का मजबूत आधार है।

पिछले दिनों धर्मवीर पासवान की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई थी

चिराग ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी एवं पूरी घटना की जानकारी लिए

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने पटना जिला के मसौढ़ी स्थित जियाउद्दीन चक गांव पहुंचें जहां विगत दिनों अपराधियों द्वारा श्री धर्मवीर पासवान जी की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। चिराग ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी एवं पूरी घटना की जानकारी लिए तथा पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।
आगे चिराग ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि इस घटना में संलिप्त दोषियों को बखशा नहीं जाएगा। इस संबंध में श्री चिराग ने वरीय पुलिस पदाधिकारी से दूरभाष पर बात करके उन्हें इस घटना में सनलिप्त अपराधियों की अभिलंब गिरफ्तारी की मांग की।
पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त मौके पर चिराग के साथ पार्टी के सांसद अरुण भारती, प्रधान महासचिव संजय पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, एससी/एसटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान, प्रदेश महासचिव रवि रंजन सिंह, जिला अध्यक्ष चंदन यादव और प्रखंड अध्यक्ष मुकेश पासवान समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

महाकुम्भ हेतु 16 जनवरी, 2025 को 10 महाकुम्भ मेला विशेष गाड़ियाँ चलाई जायेंगी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरावाराणसी, 15 जनवरी, 2025: महाकुम्भ-2025 में मकरसंक्रांति के बाद - वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों से/के लिए मेला स्पेशल गाड़ियों का संचालन निम्नवत किया जायेगा ।
16 जनवरी, 2025 को 01455 पुणे-मऊ मेला विशेष गाड़ी, पुणे से 10:10 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 22:00 बजे मऊ पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 01661 रानी कमलापती-बनारस मेला विशेष गाड़ी, रानी कमलापती से 11.10 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 10:15 बजे बनारस पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 09413 साबरमती-बनारस मेला विशेष गाड़ी, साबरमती से 11:00 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 14:45 बजे बनारस पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 05267 मुजफ्फरपुर-झूंसी मेला विशेष गाड़ी,मुजफ्फरपुर से 17:15 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 09:55 बजे झूंसी पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 05160 झूंसी-भटनी मेला विशेष गाड़ी, झूंसी से 23:15 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 07:45 बजे भटनी पहुँचेगी।16 जनवरी, 2025 को 05268 झूंसी-मुजफ्फरपुर मेला विशेष गाड़ी, झूंसी से 12:00 बजे वाया प्रयागराज छिवकी चलाई जायेगी जो दूसरे दिन 00:25 बजे मुजफ्फरपुर पहुँचेगी।
बनारस-प्रयागराज के मध्य मेला विशेष रिंग रेलगाडियां:-
16 जनवरी, 2025 को 04114 बनारस-प्रयागराज मेला विशेष रिंग रेलगाड़ी, बनारस से 04:25 बजे चलाई जायेगी, यह गाड़ी 08:00 बजे प्रयागराज पहुँचेगी। 16 जनवरी, 2025 को 04112 बनारस-प्रयागराज मेला विशेष रिंग रेलगाड़ी, बनारस से 17:10 बजे चलाई जायेगी, यह गाड़ी 21:00 बजे प्रयागराज पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 04111 प्रयागराज-बनारस मेला विशेष रिंग रेलगाड़ी, प्रयागराज से 06:00 बजे चलाई जायेगी, यह गाड़ी 08:20 बजे बनारस पहुँचेगी।
16 जनवरी, 2025 को 04113 प्रयागराज-बनारस मेला विशेष रिंग रेलगाड़ी, प्रयागराज से 17.30 बजे चलाई जायेगी, यह गाड़ी 19:50 बजे बनारस पहुँचेगी।
ज्ञातव्य हो की पौष पूर्णिमा एवं मकर संक्रांति के अवसर पर 12 जनवरी से 15 जनवरी तक कुल 96 मेला स्पेशल गाड़ियों का संचालन वाराणसी मंडल द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया है ।
मेला विशेष गाड़ियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये रेलवे हेल्पलाइन नम्बर 139 पर डायल कर सकते हैं अथवा राष्ट्रीय गाड़ी पूछताछ प्रणाली (एन.टी.ई.एस.) वेब पोर्टल या मोबाइल एप पर प्राप्त कर सकते हैं।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने चिराग पासवान से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मशरक के कर्ण कुदरिया
दिनांक 15 जनवरी, 2025
आज लोजपा रामविलास बिहार प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड पटना में 70 वीं बीपीएससी अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखा। चिराग ने बीपीएससी छात्रों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना तथा हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।
पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि साथ में पार्टी के जमुई सांसद सह प्रदेश संगठन प्रभारी अरुण भारती तथा प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी मौजूद थे।

जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी अचेत, सदर रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मशरक के पचरूखवा गांव में जहरीला पदार्थ खाने से अचेतावस्था में इलाज के लिए किशोरी को सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। किशोरी मशरक के पचरूखवा गांव निवासी 14 वर्षीय बागिशा सिंह बताई गई। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया और बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

मशरक पुलिस ने छापेमारी कर 500 लीटर महुआ फास किया नष्ट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मशरक थाना पुलिस ने नगर पंचायत क्षेत्र के बड़ी मुसहर टोली गांव में अवैध शराब को लेकर विशेष छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी अभियान का नेतृत्व दारोगा सौरभ कुमार और प्रशिक्षु दारोगा रश्मी कुमारी ने किया। वहीं मौके पर दर्जनों पुलिस बल के साथ चौकिदार मौजूद रहें। मौके पर दारोगा सौरभ कुमार ने बताया कि अवैध शराब को लेकर बड़ी मुसहर टोली गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया जिसमें जंगलों, खेतों में छुपा कर रखा गया पांच सौ लीटर महुआ फास नष्ट किया गया। वही शराब धंधेबाज पुलिस को देख फरार हो गए। दारोगा सौरभ कुमार ने बताया कि अवैध शराब को लेकर छापेमारी अभियान चलाया गया जिसमें महुआ फास को नष्ट कर दिया गया वहीं शराब बनाने के गैलन को फोड़ दिया गया।

मशरक में ठंड से बच्ची की हुई मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कोररांव गांव में एक बच्ची की मौत ठंड लगने के कारण हो गयी।मृतक राजू नट की पुत्री रागनी कुमारी है।जो आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 97 की छात्रा थी। बुधवार को सुबह परिजन आंगनबाड़ी केंद्र पर आकर रोते बिलखते हुए हंगामा करने लगे।परिजनो का कहना था कि उक्त बच्ची मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र से घर आयी तो उसकी तबियत बिगड़ने लगी। और रात्रि मे दम तोड़ दिया।चिकित्सक के मुताबिक ठंड लगने के कारण उसकी मौत हो गयी। इस मामले मे सीडीपीओ स्वेता कुमारी ने कहा कि घटना की सुचना मिली है।सेविका से जानकारी ली जा रही है।

बगहा और बेतिया में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, कार्यकर्ताओं में भरा जोश, बढ़ाया उत्साह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बगहा और बेतिया में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटी अपार भीड़, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भरा जोश
- डॉ. दिलीप जायसवाल बोले : कार्यकर्ताओं की एकता ही हमारी जीत की कुंजी
- 225+ सीटों के लक्ष्य के साथ एनडीए का विकास एजेंडा मजबूत : डॉ. जायसवाल
- नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज होगी बिहार की प्रगति : एनडीए सम्मेलन
- इंडी गठबंधन सत्ता के लिए, एनडीए सबके विकास के लिए : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
- राजद का भविष्य धूमिल, एनडीए का विकास एजेंडा चमकदार : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए सम्मेलन में घटक दलों की भागीदारी,

कार्यकर्ताओं में बढ़ा उत्साह

- कार्यकर्ताओं का उत्साह आने वाले चुनावों में जीत का संकेत : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
- बगहा,बेतिया में एनडीए की शक्ति प्रदर्शन, विकास के लिए एकजुट हुआ गठबंधन
- एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल
- सम्मेलन में हजारों की संख्या जुटे कार्यकर्ताओं ने एनडीए सरकार को और अधिक मजबूत करने का लिया संकल्प
- कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़, आपकी मेहनत से ही हम जनता की उम्मीदों पर उतरते हैं खरे : डॉ. जायसवाल

पटना,15 जनवरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज बगहा स्थित बबुई टोला मैदान और बेतिया में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने एनडीए कार्यकर्ताओं में जोश भरा और उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकता ही हमारी ताकत है और यही जीत का विश्वास भी देता है।इन सम्मेलनों में एनडीए घटक दल के सभी प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए।इस सम्मेलन का उद्घाटन सभी घटक दलों के अध्यक्षों ने किया। इस मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए की एकता बिहार का विकास सुनिश्चित कर रही है और कार्यकर्तागण एनडीए को सुदृढ़ बनाने में निरंतर योगदान दे रहे हैं। सम्मेलन में उन्होंने संगठन की मजबूती, सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा, "बिहार के विकास के लिए एनडीए सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित की है, चाहे वह किसान हो, युवा हो, महिलाएं हों या व्यापारी। इस प्रगति में हमारे कार्यकताओं की भूमिका अहम है। आप सभी कार्यकर्ता हमारी पार्टी की रीढ़ हैं, और आपकी मेहनत से ही हम जनता की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं। इस अवसर पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में सभी घटक दलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी के हाथों में अपने-अपने पार्टी का झंडा था और उनका उत्साह देखते बनता था। कार्यकताओं में जोश देखकर नेता भी अभिभूत दिखे।सम्मेलन में बड़ी संख्या जुटे कार्यकताओं ने डॉ. जायसवाल के नेतृत्व में एनडीए सरकार को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि अब लालू राज बिहार को नहीं चाहिए बल्कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार का विकास चाहिए। कार्यकताओं की भीड़ देखकर उत्साहित भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकताओं का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में हम सभी न केवल चुनावी मैदान में उतरेंगे बल्कि जीतेंगे और 225 से ज्यादा सीट लेकर सरकार भी बनाएंगे।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में सभी प्रखंडों के एक-एक चिन्हित पंचायत में का किया गया निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में सभी प्रखंडों के एक-एक चिन्हित पंचायत में सरकार की चल रही योजनाओं एवं विकास कार्यों का किया गया निरीक्षण। सभी चिन्हित पंचायत में शिविर का आयोजन कर लोगों से प्राप्त शिकायतों का किया गया निष्पादन। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में *जिले के सभी प्रखंड में एक-एक चिन्हित पंचायत में सरकार की चल रही योजनाओं,विकास कार्य आदि का अधिकारियों ने सघन जांच किया ,वहीं सभी चिन्हित 21 पंचायतों में शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए गए। प्राप्त आवेदन के आलोक में संबंधित अधिकारियों द्वारा कई शिकायतों का ऑन स्पॉट निष्पादन भी किया गया।लोगों को सरकार की चल रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अंधराठाढ़ी प्रखंड के गनौली पंचायत ,बाबूबरही प्रखंड के सोनमाटी पंचायत, बासोपट्टी प्रखंड के खोना पंचायत, बेनीपट्टी के धकजरी पंचायत, बिस्फी के खैरी बैंक साउथ, घोघरडीहा के ब्रह्मपुर उत्तरी, हरलाखी के बिसौल,जयनगर के सेलरा ,झंझारपुर के रैयाम पश्चिम ,कलुआही के कर्मावली, खजौली के सुक्की,खुटौना के इक्खता,लदनिया के पथराही,लखनौर के लौफहा,लौकीही के महादेव मठ ,मधेपुर के सुंदर विराजित, रहिका के मर्लगिया, माधवपुर के बलबा, पंडोल के श्रीलीरामपुर हाटी, फुलपरास के सैनि, राजनगर के सिमरी पंचायत में अधिकारियों ने पंचायत में चल रही विकास कार्यों एवं योजनाओं का निरीक्षण किया वहीं शिविर के माध्यम से लोगों के शिकायतों का ऑन स्पॉट निष्पादन भी किया।

जिला मनरेगा प्रोग्राम पदाधिकारी ने खेल मैदान निर्माण का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिला प्रोग्राम पदाधिकारी मनरेगा कुंदन कुमार ने मशरक के बहरौली और दुरगौली पंचायत में बन रहें खेल मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर प्रखंड मनरेगा पदाधिकारी संजय साव,एई प्रेमचंद, सुनील कुमार, अब्बास हुसैन, शिवेंद्र, रामचंद्र समेत अन्य मौजूद रहें।जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि मशरक प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में बिहार सरकार के द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत खेल मैदान का निर्माण किया जा रहा हैं जिसको लेकर मशरक प्रखंड क्षेत्र के बहरौली , दुरगौली सहित कई पंचायतों का दौरा कर मनरेगा खेल मैदान और बकरी पालन के लिए बने शेड का स्थलीय निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश देते हुएं कहा कि खेल मैदान में उपयोग होने वाली सामग्री गुणवत्तापूर्ण व मानक के अनुरूप होनी चाहिए। यदि इसमें किसी तरह की गड़बड़ी होती है। तब संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारियों का बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बुधवार को मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बीडीओ ने सभी बीएलओ को नये वर्ष के शुभकामनायें के साथ बैठक शुरू की। उन्होंने मतदाता सूची में लिंगानुपात सही करने पर चर्चा की व महिला मतदाता का नाम विशेष रूप से जोड़ने को कहा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि हर हाल में लिंगानुपात औसतन 906 से ऊपर होना चाहिए। इसके लिए सभी बीएलओ समेकित प्रयास करें। साथ चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार जिनकी उम्र 18 वर्ष और इससे अधिक हो गई है उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाय। संचालन कर रहे मास्टर ट्रेनर लाल बाबू ने प्रपत्र 6, 7 व 8 पर विस्तार से चर्चा की व लिंगानुपात बढ़ाने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट व स्नातक में पढ़ने वाली बच्चियों और नव विवाहित महिलाओं का नाम मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र 6 भर दिया जाय। वहीं मृत मतदाता का नाम हटाने के लिए प्रपत्र 7 भरें। साथ ही नाम में शुद्ध करने के लिए प्रपत्र 08 भरें। उन्होंने सभी कार्य बारीकी से करने की बात कही। बैठक में बीएलओ लाल बाबू, दिलीप कुमार राम, कुमार सानू, सीमा देवी, धनंजय कुमार झा, संजय कुमार, कुमारी अमिता, मनोज कुमार, देवानंद प्रसाद, कैलाश सहनी, राम कुमार झा, सुरेंद्र राम, रामप्रवेश राय, विजेंद्र कुमार, शिव कुमार राम, उमेश राम, ब्रह्मदेव सहनी, वीणा कुमारी सहित दर्जनों बीएलओ ने भाग लिया।

मशरक में एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा आत्मनिर्भर बिहार के साथ के मशरक के मगुरहा शिव मंदिर के प्रांगण में प्रथम वर्गीय पशु अस्पताल कोडराव के सौजन्य से एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू और मुखिया प्रतिनिधि डॉ जितेन्द्र सिंह ने किया। वहीं अध्यक्षता पशु चिकित्सक डॉ उदय कुमार ने किया। प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने कहा कि पशुपालकों के लिए यह विशेष अभियान सराहनीय कार्य हैं , क्यूंकि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मूल आधार है।इस मौके पर डॉ. उदय कुमार ने कहा कि सरकार का यह सराहनीय कदम है। पशुपालकों में जागरुकता लाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। जो पशु गर्भधारण नहीं करती है, उसका इलाज सूई और दवा से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 100 पशुपालकों के कुल 120 पशुओं की जांच करने के साथ ही निःशुल्क दवाई भी दी गई है। उन्होंने गौ पालकों से पशुओं को संतुलित आहार, ससमय कृमि नाशक दवा एवं टीकाकरण से लाभ उठाने की अपील की। डॉ उदय कुमार ने बताया कि पशुपालन विभाग की तरफ से चलंत एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है जिसका लाभ लेने के लिए 1962 पर फोन कर सकते हैं।

एनक्यूएएस की राज्यस्तरीय टीम ने अपहर और गोविन्दचक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया मूल्यांकन

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

,छपरा:राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का लिया जायेगा
हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर मरीजों को मिल रही है गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं
राज्यस्तर से प्रमाणीकरण होने के बाद नेशनल टीम करेगी मूल्यांकन
छपरा।ग्रामीण क्षेत्र में घर के पास हीं मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है। इस कड़ी में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत सर्टिफाइड किया जाना है। राज्य स्तरीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक की टीम ने सारण जिले के अमनौर प्रखंड के अपहर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और सोनपुर के गोविन्दचक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का असेस्मेंट किया। अपहर में राज्य स्वास्थ्य समिति के डॉ. सामापति पॉल और वैशाली के इंचार्ज डीसीक्यूए डॉ. दीपक कुमार ने चेकलिस्ट के अनुसार असेस्मेंट किया। वहीं गोविन्द चक में पटना के आरपीएम पीयूष रंजन और पिरामल से डॉ. प्रबीर रंजन मोहराना ने असेस्मेंट किया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर मिलने वाली सुविधाओं, दवा की उपलब्धता और रख-रखाव, उपकरणों की रख-रखाव, साफ-सफाई- बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण, आधारभूत संरचना सहित कागजात की जांच की गयी । साथ हीं सीएचओ और एएनएम से पूछताछ की गयी। जहां कमी पायी गयी उसे पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिया गया। एचडब्ल्यूसी को एनक्यूएएस का प्रमाणीकरण मिलने से स्थानीय स्तर पर मिलने वाली 12 तरह की स्वास्थ्य सेवाओं पर दिखता है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 151 प्रकार का दवा, 14 प्रकार के जाँच की सुविधाएं, टीकाकरण, प्रसव पूर्व जाँच, परिवार नियोजन की सेवा, ओपीडी, संचारी रोग, गैर संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, पीने का पानी, हर्बल गार्डन, शौचालय, अग्निशमन यंत्र के साथ स्वच्छ वातावरण में गुणवत्ता पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रहीं है। बीमारियों की जांच के लिए 14 प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। यहां पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करायी जा रही है। मौके पर डीपीएम अरविन्द कुमार अमनौर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.शेशांक शुभम, बीएचएम सुशील कुमार, बीसीएम दीपक कुमार, बीएमएनई सुनिल कुमार, सीएचओ लोकेश सैनी,एएनएम अनिता टोपो, एएनएम रेखा कुमारी सहयोगी संस्था पीएसआई के प्रतिनिधि, सीफार के डीपीसी गनपत आर्यन, गोविन्दचक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पूनम, बीएचएम ओमप्रकाश, सीएचओ हिमानी समेत अन्य मौजूद थे।एनक्यूएएस प्रमाणीकरण से गुणवत्ता में आयेगी सुधार:राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के प्रमाणीकरण से एएनसी, टीकाकरण, ओपीडी, परिवार नियोजन, आउटरीच में होने वाले कार्यक्रम का विस्तार होगा। मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्यांकन होने से उक्त संस्थान पर उपलब्ध सेवाओं का विस्तार होगा। साथ ही केंद्र पर व्यवस्थाओं में सुधार होगा। जिसका सीधा असर स्वास्थ्य सुविधाओं पर पड़ेगा। एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के बाद गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ने से स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के लिए मिलने वाली सुविधाओं से स्थानीय लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा।डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत, स्वास्थ्य सेवाओं के सभी पहलुओं जैसे- चिकित्सा, नर्सिंग, और रोगी देखभाल की गुणवत्ता को मानक के अनुरूप तैयार किया जाता है। ताकि स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले सभी मरीजों को उच्च गुणवत्ता के साथ उचित सलाह और उसका सही उपचार मिल सकें।

दो बाइक की टक्कर में एक घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अस्पताल चौक पर दो बाइक की टक्कर में एक बाइक सवार घायल हो गए।इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया।घायल पचभिंडा गांव निवासी बताए गए।बताया गया कि वे बाइक पर सवार होकर बाजार के लिए निकलें कि अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी। दवा व्यापारी दिनेश सिंह समेत अन्य ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया।

समस्तीपुर के युवक की मौत तामिलनाडु में, घर में मचा कोहराम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत मथुरापुर थाना क्षेत्र के हांसा पंचायत के तहत डैनीमन वार्ड संख्या 09 निवासी उपेन्द्र महतो का 22 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार का तामीलनाडु में मौत मंगलवार की संध्या हो गई। संजीव कुमार की मौत की खबर आम होते ही डैनीमन गांव में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि संजीव कुमार तमिलनाडु में रहकर मजदूरी करता था जहां उसकी मौत हो गई, बताया जाता है कि वह घर का एकलौता पुत्र था। कोई कह रहा था कि इसकी मौत पानी में डूब जाने से हुई है तो कोई कह रहा था कि किसी ने इसकी हत्या कर दी गई है। इस मामले ने सच्चाई क्या है तमिलनाडु का पुलिस प्रशासन या उसके परिजन जाने। बहरहाल संजीव कुमार के शव को तमिलनाडु से समस्तीपुर जिले के डैनीमन गांव हवाई जहाज द्वारा लाया जा रहा है। माना जा रहा है कि संजीव कुमार का शव वृहस्पतिवार को समस्तीपुर पहुंच जाएगा।
शकील हैदर,वरिष्ठ संवादाता ,छपरा

उप विकास आयुक्त, सारण द्वारानलकूपों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

श्री यतेंद्र कुमार पाल, उप विकास आयुक्त, सारण द्वारा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सारण के सभागार में लघु जल संसाधन विभाग द्वारा जिला में संचालित राजकीय नलकूपों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा बैठक में परसा, मकेर, बनियापुर, जलालपुर, एकमा, मांझी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायतों के मुखिया जी एवं संबंधित पंचायत सचिवों को अक्रियाशील राजकीय नलकूपों की अविलंब क्रियाशील करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, छपरा उपस्थित थे ।

मधुबनी जिला दिव्यांगजन समिति की बैठक आयोजित की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला दिव्यांगजन समिति की बैठक आयोजित की गई। दिव्यांग लाभुकों के बीच 30 कंबल का वितरण किया गया।सहायक निदेशक आशीष अमन ने बताया कि जिला स्तरीय बैठक के माध्यम से सभी लाभुकों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया तथा ठंड को देखते हुए दिव्यांग लाभुकों के बीच कंबल का वितरण किया गया

डीएम ने विद्युत शवदाह ग्रह निर्माण का स्थल निरक्षण किया

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय के द्वारा सीतामढ़ी शहर के राजोपट्टी स्थित लखनदेई नदी के किनारे मुक्तिधाम में नव विद्युत शवदाह गृह निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, अंचल अधिकारी डुमरा एवं कनीय अभियंताओं द्वारा नक्शा के अनुसार शवदाह गृह निर्माण को लेकर जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारीयो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही साफ-सफाई को लेकर एवं व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर करने का निर्देश दिया गया। उक्त निरीक्षण में नगर आयुक्त प्रमोद कुमार पांडे, अंचल अधिकारी डुमरा, डॉली झा के साथ संबंधित विभाग के कनीय अभियंता उपस्थित थे।

नयी दिशा परिवार का 29वाँ स्थापना दिवस समारोह, 11 विशिष्ट लोगों को बिहार गौरव अवार्ड

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना, जन चेतना एवं जन शिक्षा पर केन्द्रित स्वयंसेवी संस्था ' नयी दिशा परिवार' का 29वां स्थापना दिवस समारोह आज शनिवार को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, कदमकुंआ में आयोजित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी कमलनयन श्रीवास्तव के जीवन पर आधारित पुस्तक "एक और दधीचि - कमलनयन श्रीवास्तव "का लोकार्पण विधासभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव और सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ ने किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ ने संयुक्त रूप से किया। अपने उद्घाटन भाषण में यादव ने कहा कि कमलनयन श्रीवास्तव ऐसे इंसान है जो जिद्दी किस्म के हैं, जो कुछ करना चाहते हैं, ठान लेते है, उसे करके ही दम लेते है। उन्होंने उनको शुभकामना दी कि 100 साल जीवित रहे, हमसे भी अधिक जीएं। उनके सारे संकल्प पूरा हों और आगे भी समाजसेवा करें, ऐसी शुभकामना देता हूं।मुख्य अतिथि के तौर पर सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि कमलनयन श्रीवास्तव के जीवन से आज की और भावी पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की। उन्होंने कहा कि नई दिशा परिवार संस्था का आज 29बा स्थापना समारोह है, मैं शुरू से जुड़ा रहा हूं । युवा और नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के काम में संस्था लगी है जिसमें कार्यक्रम आयोजित करना, प्रतिभाओं को सम्मानित करना और बच्चों को सर्वांगीण विकास से जोड़ना संस्था का मूल कार्य रहा है। उन्होंने कमलनयन श्रीवास्तव की तारीफ करते हुए कहा कि सचमुच दधीचि हैं।जिस शायर को बिहार के लोग लगभग भूल गए उनको भी कमलनयन श्रीवास्तव ने सदैव याद किया। आज इनके प्रयास से ही नियमित उनके मजार पर चादरपोशी की जाती है और उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है । उन्होंने कहा कि कमलनयन श्रीवास्तव एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सदैव सक्रिय रहे हैं। मैं समझता हूं कि उनपर लिखी पुस्तक एक और दधीचि पीढ़ियों को लाखों साल तक उनकी कीर्तिया याद दिलाएगी, प्रेरणा देगी ।

विशिष्ठ अतिथि के तौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना के सांसद रविशंकर प्रसाद में कमलनयन श्रीवास्तव को एक संघर्षशील इंसान बताया और कहा कि समाजसेवा के लिए हमेशा आगे बढ़कर उन्होंने काम किया है। मैं उनके लंबे जीवन की कामना करता हूं।ख्यातिनाम चिकित्सक पद्मश्री डा. गोपाल प्रसाद सिन्हा ने कहा कि कमलनयन श्रीवास्तव की पुस्तक उनके जीवन और उनके आदर्श को आने वाले पीढ़ियों को सदैव याद दिलाती रहेगी। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार भगवती प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तक के बेहतर संपादन और शीर्षक के लिए डॉ आरती कुमारी की पूरी-पूरी प्रशंसा की।कवयित्री डा. आरती कुमारी को "एक और दधीचि - कमलनयन श्रीवास्तव पुस्तक के संपादन के लिए सम्मानित भी किया गया । कार्यक्रम के बाद कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें भगवती प्रसाद द्विवेदी, डॉ अनिल सुलभ, डॉ आरती कुमारी, डॉ नीलम श्रीवास्तव, मधुरेश नारायण, प्रेम किरण, आराधना प्रसाद, डॉ सुनील कुमार उपाध्याय ने अपनी अपनी कविताएं पढ़ीं।नई दिशा परिवार के 29वे स्थापना दिवस पर सम्मान , अलंकरण का कार्यक्रम हुआ जिसमें 11 लोगों को बिहार गौरव से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में मां देवपति मेमोरियल अवार्ड से तरुणा राय को, बिहार गौरव अवार्ड से कुमार देवांशु, रमेश कुमार, संजीव यादव, डॉक्टर ज्योति प्रकाश, मीना कुमारी परिहार, राजीव कुमार, सुमेधा पाठक, सागरिका राय, डॉक्टर सत्येंद्र शर्मा, इंजीनियर रूपेश कुमार, राकेश कुमार एवं प्रेम कुमार शामिल है।

रात गांव पंचायत में वार्ड संघ का चुनाव संपन्न

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय/ तेघड़ारोजखंड के रात गांव पंचायत में वार्ड संघ का चुनाव मंगलवार को संपन्न हो गया। इसमें रात गांव पंचायत के उपमुखिया मोहम्मद इब्राईल अध्यक्ष चुन लिए गए। इसके अलावा संघ के अन्य पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।इस चुनाव में सबसे पहले सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया जाए, ताकि चुनाव कराने की नौबत नहीं आ जाए।इसी के तहत उपाध्यक्ष के रूप में सुशील कुमार राम चुने गए।चनाव संपत्र होने के बाद सभी वार्ड सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी तथा आशा व्यक्त किया कि वे उनकी आवाज को हमेशा बुलंद करते रहेंगे। मौके पर नवनिर्वाचित संघ अध्यक्ष मोहम्मद इब्राईल ने सभी को धन्यवाद दिया की उन्हें लायक समझा तथा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। वे हमेशा ही वार्ड सदस्यों के हक- हकूक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सरकार से मानदेय वृद्धि एवं वार्ड स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन वार्ड सदस्यों के द्वारा कराए जाने की मांग भी रखी। इस अवसर उदय महतो, राजेश चौधरी,आशा देवी, डिंपल कुमारी सहित सभी वार्ड सदस्य मौजूद थे

प्रखंड विकास पदाधिकारीकी अध्यक्षता में सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का क्रियान्वयन/पर्यवेक्षण हेतु कैंप का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के सेलरा पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी, जयनगर की अध्यक्षता में सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का क्रियान्वयन/पर्यवेक्षण हेतु कैंप का आयोजन किया गया, जिसमे अंचल अधिकारी जयनगर, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी जयनगर,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी जयनगर, एवं अन्यय विभाग के सभी कर्मचारी गण उपस्थित थे, जिसमें सभी विभाग वार टेबल लगाकर संबंधित पंचायत से उपस्थित सभी आम जन को बारी बारी से सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मीगण अपने अपने विभाग से संबंधित कार्यों को समझाया, जिसमें अधिकांश राशन कार्ड निर्गत करने एवं राशन कार्ड में ङ उ की समस्या, साथ ही अंचल से संबंधित संबंधित राजस्व कर्मचारी द्वारा दाखिल खारिज कराने में कार्यालय का चक्कर लगाना जैसे समस्या आई है, जिसे ऑन स्पोर्ट समाधान करने हेतु निर्देश दिया गया है, पुनः आम जनो को जो भी समस्याएं हो रही उन सभी समस्याएं को संबंधित विभाग के कर्मचारी ऑन स्पोर्ट समस्या का समाधान किया गया, कुछ समस्याएं ऐसी थी जिन्हें ऑन स्पोर्ट समाधान नहीं हो पाया जिसे 1 सप्ताह के समय देते हुए सभी समस्याओं का समाधान करने हेतु समय दिया गया, साथ ही कैंप में उपस्थित सभी आम जनों को यह भी जानकारी दिया गया है कि सरकार द्वारा जो भी योजना चलाई जा रही है उन सभी योजनाओं का लाभ अब आप अपने पंचायत के पंचायत भवन पर ही सभी विभागीय पंचायत स्तरीय सभी कर्मचारीगण पंचायत भवन पर बैठ कर सभी कार्यों का ससमय निष्पादित करेंगे, साथ ही यह भी बताया गया कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत छूटे हुए परिवार को व्यक्तिगत शौचालय निमानोपरांत 12000 की प्रोत्साहित राशि प्रखंड स्वच्छता कार्यालय में आवेदन देकर लाभ ले सकते है, साथ घर घर से कचड़ा का उठाव किया जाता है, जिसमें आप सभी जनप्रतिनिधि एवं आम जनों की सहयोग की आवश्यकता है, साथ ही पंचायत के स्वच्छता पर्यवेक्षक को यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक माह आखिरी तारीख तक 30 रुपया की राशि अशुली करते हुए अपने पंचायत के रछहट खाते में जमा कराने हेतु निर्देश दिया गया

भारतीय मित्र पार्टी का 5 सूत्री मांग को लेकर मधुबनी समाहरणालय के सामने धरना,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

■ गरीब जनता को सरकार ठगने का काम कर रही है :राष्ट्रीय अध्यक्ष धनेश्वर महतो

भारतीय मित्र पार्टी का 5 सूत्री मांग को लेकर समाहरणालय के सामने धरना राष्ट्रीय अध्यक्ष धनेश्वर महतो का बयान कहा कि सहारा इंडिया कंपनी में बिहार की जनता 90% जनता का पैसा सहारा इंडिया में जमा है सहारा कंपनी को बंद करने में केंद्र सरकार की बहुत बड़ा योगदान है और अब सरकार ने कंपनी को बंद कराया है जनता का पैसा सहारा कंपनी में जमा है वह पैसा केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों को मिलकर बिहार की जनता को देना चाहिए,क्योंकि कंपनी का पैसा सरकार ने जप्त किया है राष्ट्रीय अध्यक्ष धनेश्वर महतो ने कहा के सी भी सरकार की एक संस्था है और उनके द्वारा गरीब मजदूर का पैसा है 2024 के अंदर लोकसभा चुनाव के समय सरकार ने आश्वासन दिया था कि हम सहारा इंडिया का पैसा भुगतान करेंगे हर व्यक्ति का बैंक अकाउंट नेट के द्वारा जमा कराया गया था ' हर गरीब मजदूर आदमी ऑनलाइन करने में 200 और ?500 खर्च किया वह भी पैसा गरीब मजदूर का व्यर्थ चला गया कुल मिलाकर केंद्र सरकार इस देश की जनता को और बिहार की जनता को ठगने के अलावा कोई काम नहीं किया है वही धनेश्वर महतो ने कहा कि सरकार आज तक सत्ता प्राप्त करने के लिए सरकार ने गरीब मजदूरों को वोट लिया और सत्ता प्राप्त करने के बाद गरीब मजदूरों के खिलाफ सभी काम किया वोट लिया गरीबों से फायदा पहुंचाया उद्योगपतियों को उदाहरण है बिहार ऐसे गरीब राज्य के अंदर स्मार्ट मीटर जो एक लूट का मीटर है उसे सरकार ने अभी तक वापस नहीं लिया क्यों उद्योगपतियों को मोटा पैसा वसूला जाता है हमारी पार्टी की मांग है कि रैयाम,लोहट चीनी मिल को चालू किया जाए किसानों को सिंचाई के समय बिजली मुफ्त दिए जाएं बिहार में हर गरीब मजदूर मेडल क्लास परिवार को 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाए खेती के समय खाद की बहुत बड़ी समस्या रहती है कृषि को खाद मुक्त किया जाए इस एक दिवसीय धरना में मधुबनी जिला अध्यक्ष राजकुमार महतो ललित कुमार सिंह दिलीप कुमार बीना देवी ,सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे '

बेगूसराय विधानसभा स्तरीय बीएमपी का कार्यकर्ता सम्मेलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय 14 जनवरी को मकरसंक्रांति के मौके पर बेगूसराय विधानसभा स्तरीय बहुजन मुक्ति पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन छपकी गांव में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आगत अतिथियों का स्वागत डॉ विजय कुमार महतो ने किया. इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में पधारें कबीर संतमत के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार आजाद ने कहा कि बेगूसराय स्वतंत्र विधानसभा है, जिसमें सभी का भागीदारी सुनिश्चित किया जाना चाहिये. उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में छपकी गांव के डॉ विजय कुमार महतो के नेतृत्व में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की. सम्मेलन को नेत्री पूनम देवी, नंदकुमार, शिवकुमार महतो आदि ने संबोधित किया. इस अवसर पर बहुजन मुक्ति पार्टी के नये संगठन का गठन किया गया, जिसमें डॉ नंद कुमार साह को जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया. इसके अलावे मोहम्मद उमर, विजय कुमार, सुखदेव शर्मा, मोहम्मद जाहिद, पुलेन्द्र यादव, रघुवंश पासवान, शिवचंद्र पासवान,शंकर मल्लिक, अनिल महतो, रवीन्द्र कुमार वर्मा, रमेश मालाकार, राम विनय शर्मा, डॉ कमल रंजन,को सदस्य बनाया गया

सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत

पिकअप और बाइक के आमने-सामने टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत,खजौली थाना इलाके में मचा कोहराम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पिकअप और बाइक की आमने सामने टक्कर में तीन की मौत
पिकअप चालक हुआ फरार

मधुबनी जिला के खजौली थाना क्षेत्र के ठाहर खजौली और कलुआही मुख्य मार्ग पर पिकअप और बाइक के आमने-सामने टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत इलाके में मचा कोहराम इस सड़क हादसे से लोगों का दहल उठा दिल चारों तरफ थी चीख और पुकार घटना इतना भयानक था की बाइक की सामने टक्कर लगते ही तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई इसकी सूचना जैसे ही खजौली थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार को मिली दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मधुबनी सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया बताया जाता है कि मधुबनी से मधुबनी से अपने घर के लिए खजौली जा रहा था तीनों एक बाइक पर सवार होकर घर जा रहा था इसी कर्म में एक पिकअप के सामने जोरदार टक्कर हुई और तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई पिकअप चालक ड्राइवर मौके से फरार हो गया इन सभी मृतक की पहचानसचिन कुमार खजौली,भरत मंडल खजौली राजेश मंडल, पांडोल के रूप में हुई ' मधुबनी में बुधवार की सुबह सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। बाइक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर के कारण ये हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना जिले के खजौली थाना क्षेत्र के ठाहर गांव के पास घटी है।

घटना की सूचना मिलते ही खजौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में जुट गई है। वहीं, हादसे की सूचना पर स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए मृतकों की पहचान करने का प्रयास शुरू किया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भयानक था कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि बाइक का अगला हिस्सा पिकअप के अंदर घुस गया था। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पिकअप चालक की तलाश में जुटी हुई है।मृतक में खजौल निवासी, पंडौल निवासी और एक दरभंगा निवासी है। तीनों एक ही परिवार के थे। इसमें से एक साला और दो बहनोई था। दो बहनोई अपने ससुराल आया था। तीनों की उम्र 30 से 35 बताया गया है। राजेश मंडल का दो छोटे बच्चे हैं। भरत मंडल के भी दो बच्चे हैं। इस दर्दनाक घटना से इलाके में शोक है।

मकर संक्रांति पर बखरी गौशाला में तुला दान का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय/ बखरी मकर संक्रांतिके मौके पर बखरी गौशाला में लगातार तीसरी बार तुला दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। तुला दान के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौ प्रेमियों ने उल्लास के साथ भाग लिया। पांच दर्जन से भी अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर अपने वजन के हिसाब से चारा, अनाज, गुड़ सहित अन्य भोजन सामग्री दान कर गौमाता की सेवा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी कुमार सौरभ ने कहा कि बखरी गौशाला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और यह पुण्य संचय का केंद्र भी है। समारोह में मारवाड़ी महिला समिति, बखरी शाखा ने गौ सेवा के लिए छप्पन प्रकार के भोजन सामग्रियों का आकर्षक स्टॉल लगाया था जिसे खूब सराहा गया।इस मौके पर गौशाला कमिटी के उपाध्यक्ष केदार केसरी, सचिव कैलाश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक प्रिंस सिंह, मनोरंजन वर्मा, मनोज चौधरी, प्रवीण साह, लक्ष्मी साह, रामदयाल केसरी, रामचंद्र सहनी, दीपक सुल्तानिया, संजीव बजाज, सुरेंद्र केसरी, रवीश सिंह, राजीव नंदन, मनीष कुमार, अनुभव आनंद, मारवाड़ी महिला समिति की मंजू अग्रवाल, मौजूद थी

खोजी कुत्ता भी सलमान को नहीं ढूंढ सकी, परिजन एवं ग्रामीण हुए निराश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत महाराजगंज (नागरबस्ती) वार्ड संख्या 04 निवासी मो सफीक का 7 वर्षीय नाती मो सलमान जो गत 11 जनवरी से लापता है। इसे तलाश करने के लिए डीएसपी टू विजय महतो के अथक प्रयास पर खोजी कुत्ता मंगवाया गया। खोजी कुत्ता ने अपने स्तर से गायब बच्चे को हांसा पंचायत के अनेकों जगह जाकर तलाश किया परंतु उसे सफलता नहीं मिली। इधर खोजी कुत्ता के आने से डैनीमन गांव में लोगों का काफी हुजूम देखा गया सभी को उम्मीद था कि खोजी कुत्ता आया है और गायब बच्चा मो सलमान मिल जाएगा परंतु अंततः खोजी कुत्ता को असफलता हाथ लगी, जिससे गांव वाले भी निराश दिखे। मौके पर मथुरापुर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार, अपर थाना अध्यक्ष अश्वथामा कुमार के अलावा काफी तायदाद में स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

भूकंप सुरक्षा सप्ताह 15 से 21 तक मनाया जाएगा: डीएम

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: भूकंप सुरक्षा सप्ताह (15– 21 जनवरी) के अवसर पर जिले में भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव को लेकर नुक्कड़ नाटक की टीम को जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रखंडों की ओर रवानगी की गई। मौके पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन श्री बृजकिशोर पांडे ,जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। नुक्कड़ नाटक की टीम के द्वारा गीत एवं संगीत के माध्यम से 21 जनवरी 2025 तक जिले के सभी महत्वपूर्ण एवं सार्वजनिक स्थानों पर भूकंप को लेकर आम लोगों को जागरूक किया जाएगा।साथ ही 15 जनवरी से 21 जनवरी से तक एसडीआरएफ सीतामढ़ी के द्वारा प्रमुख विद्यालयों,समाहरणालय परिसर,

रेलवे स्टेशन परिसर तथा अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।मौके पर उपस्थित जिलाधिकारी रिची पांडेय ने कहा कि भूकंप सुरक्षा सप्ताह के दरमियान नुक्कड़ नाटक के टीमों के द्वारा प्रचार– प्रसार के साथ एसडीआरएफ के द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन कर आम जनों को भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं के बीच भूकंप से सुरक्षा/बचाव के विषय पर विभिन्न प्रतियोगिता यथा:–पेंटिंग,निबंध,नारा लेखन,नाटक, वाद विवाद एवं प्रभात फेरी का भी आयोजन किया जाएगा। कहा कि निर्देश दिया गया है कि पंचायत स्तरीय पर जनप्रतिनिधियों एवं राज मिस्त्रियों को भूकंपरोधी एवं आपदारोधी भवनों के निर्माण तथा भूकंप से सुरक्षा उपायों के संबंध में जागरूक जाए। साथ ही निर्देश दिया गया है कि अंचल, प्रखंड,पंचायत स्तर पर, रेलवे स्टेशन, पंचायत भवन, लाइब्रेरी, अस्पताल, बैंक, पोस्ट ऑफिस,व्यवहार न्यायालय,बस स्टैंड, मॉल, हाट बाजार, नगर पालिका एवं नगर निगम क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थलों पर भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव के मद्देनजर व्यापक प्रचार –प्रसार करना सुनिश्चित किया जाए।

वीआईपी ने किया दही चूड़ा का आयोजन, लोगों ने लिया दही चूड़ा का खूब आनंद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विकासशील पार्टी के वारिसनगर प्रखंड अध्यक्ष पप्पू सहनी के नेतृत्व में बुधवार को वारिसनगर स्थित वीआईपी कार्यालय में दही चूड़ा का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में वीआईपी के कार्यकर्ता एवं महागठबंधन के लोगों ने शिरकत की और दही चूड़ा का आनंद लिया। इस अवसर पर पूर्व से बनाए गये पंचायत अध्यक्ष को प्रमाण पत्र और माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिन लोगों को पंचायत अध्यक्ष पद का प्रमाण पत्र मिल उनमें सतमलपुर से मो रेयाज, गोही से कन्हैया कुमार, रायपुर से रामप्रीत सहनी,रामपुर विशुन से रमण कुमार राय, धनहर से अंगज कुमार सहनी, डरसूर से रीत लाल सहनी, मनियारपुर से मो नेयाज, पुरनाही से राजा राम सहनी, मोहीउद्दीनपुर से लाल बहादुर चौधरी, कुसैया से सुरेश कुमार चौधरी का नाम शामिल है। बताया जाता है कि प्रखंड अध्यक्ष पप्पू सहनी को वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र में आपार समर्थन मिल रहा है, लोग इन्हें ही विधानसभा चुनाव में जिताने की बात कह रहे हैं। इधर पूछे जाने पर जिला प्रभारी संजय कुमार सहनी ने बताया कि वीआईपी दिन प्रतिदिन बिहार में अपना मजबूती प्रदान कर रही है। इसका श्रेय पार्टी के सुप्रीमो मुकेश कुमार सहनी को जाता है। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी 2025 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी और अच्छी खासी सीटों पर अपना कब्जा जमाएगी। मौके पर जिला प्रभारी संजय कुमार सहनी के अलावा, महिला सेल की जिला अध्यक्ष पुष्पा सहनी, युवा जिला अध्यक्ष संतोष चौधरी, प्रखंड अध्यक्ष पप्पू सहनी आदि मौजूद थे।

ठंड के मौसम में स्वास्थ्य के प्रति रहें जागरूक : डॉ रजिया सुल्ताना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सीतामढ़ी। सर्दियों का मौसम स्वास्थ्य के लिए कई चुनौतियां लेकर आता है, ऐसे में आपको जागरूक रहना जरूरी है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं आ सकती हैं, वहीं एचएमपीवी वायरस का संक्रमण कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। उक्त बातें परसौनी स्थित मॉडर्न होम्योपैथी की डॉ रजिया सुल्ताना ने कही। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी में इन समस्याओं से बचाव और इलाज विशेष तौर पर उपलब्ध है।

डॉ रजिया ने कहा कि शरीर को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़ोंका सही इस्तेमाल करें। कान, गला और पैरों को ढककर रखें। गर्म पेय का सेवन करें।तुलसी, अदरक और शहद का काढ़ा पिएं। हल्दी वाला दूध और ग्रीन टी जैसे पेय भी ठंड के मौसम में लाभकारी है। संतुलित आहार का सेवन करें। संतरा, नींबू और आंवला खाएं।

प्रोटीन युक्त आहार दूध, पनीर और दाल प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इस मौसम में स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोएं।

व्यायाम, योग और प्राणायाम भी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है।

एचएमपीवी वायरस सांस के जरिए फैलता है। इसलिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें। एचएमपीवी संक्रमण होने पर गले में खराश, खांसी, बुखार और सांस लेने में कठिनाई आदि होती है। ऐसे लक्षण पाये जाने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

उन्होंने कहा की एचएमपीवी वायरस से बचने के लिए होम्योपैथिक उपाय और प्राकृतिक उपाय बेहद प्रभावी हैं।

भूमिहीन परिवारों को दिया गया बास्कित पर्चा

2025 में पुनः एनडीए की सरकार बनना तय : विधायक अनिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । मेजरगंज प्रखंड के अंचल कार्यालय में मुख्यमंत्री रैन बसेरा-2 स्कीम के तहत 25 भूमिहीन परिवार को सरकार के गाइडलाइन के अनुसार तीन डिसमिल जमीन का पर्चा विधायक अनिल राम व अंचलाधिकारी ने वितरण किया। वहीं प्रखंड के खैरवा पंचायत के चैनपुर गांव निवासी अग्नि पीड़ित सोमनी देवी को 20 हजार का चेक भी दिया गया। सुनील राम, गणेश मांझी, सहिमा खातून, सद्दाम अंसारी, पिंकी कुमारी, प्रमोद पासवान समेत तकरीबन 25 लोगों बास्कित पर्चा दिया गया। पूर्व में भी 35 भूमिहीन परिवार को बास्कित पर्चा दिया गया था। विधायक अनिल कुमार ने कहा क्षेत्र की विकास, आम जन की समस्याओं का समाधान, गरीब वृद्ध का कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता है। संपूर्ण विधानसभा में सड़क, पुल पुलिया का काम 80 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। 20 प्रतिशत काम इस बजट सत्र से पूर्व करा लिया जाएगा। मेजरगंज में स्टेडियम और सहियारा में भी नए पावर सब स्टेशन का स्वीकृति मिल गया है। एक सप्ताह के अंदर स्थल का निरीक्षण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तकरीबन 22 अनुसूचित जाति टोलो में सामुदायिक भवन, अंबेडकर भवन का निर्माण होना है। अंचल से युद्ध स्तर पर एनओसी तैयार किया जा रहा है। जल्दी सभी 22 जगहों पर 32 लाख की राशि से सामुदायिक सामुदायिक व भवन अंबेडकर भवन का निर्माण किया जाएगा। 2025 के आने वाले विधानसभा चुनाव में विधायक अनिल कुमार ने कहा क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर ही चुनाव लड़ेंगे। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार व राज्य की नीतीश कुमार की सरकार लगातार बिहार के विकास, युवाओं को नौकरी, महिला को सम्मान, किसान भाइयों विकास हेतु काम कर रही है। 2025 में पुनः एनडीए की सरकार का बनना तय है। मौके पर भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष रविंद्र प्रसाद, जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, वरिष्ठ नेता ज्योतनारायण झा, युवा नेता प्रमोद, नीरज रस्तोगी, वरिष्ठ नेता संजीव संजीव सिंह एवं एनडीए के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलमुनियम फैक्ट्री में बॉयलर फटने से दो कर्मी की मौत व चार घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पूसा प्रखंड के वैनी थाना क्षेत्र के तेल डिपो चौक स्थित एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बॉयलर फटने से बुधवार को भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहे दो कर्मियों की जहां मौके पर ही मौत हो गई। वही इस घटना में चार कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद जिला प्रशासन एवं एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव और राहत का कार्य शुरू कर दिया है। इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे ताजपुर - पूसा पथ स्थित तेल डिपो चौक के पास एल्यूमीनियम फैक्ट्री के बॉयलर में जबरदस्त विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज करीब 3 किलोमीटर तक लोगों को सुनाई दी। इस भीषण विस्फोट की वजह से आसपास के लोग काफी सहम गये। लोगों के मन में किसी बड़े अनहोनी का डर समा गया। बाद में यह जानकारी फैली की अलमुनियम फैक्ट्री के बॉयलर में ब्लास्ट हुआ हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सबसे पहले आसपास के लोग काफी तायदाद में घटना स्थल पर जमा हो गये। लोगों ने घटना की जानकारी स्थानिय प्रशासन को दी तथा स्थानिय लोग ही प्रशासन के आने से पहले राहत व बचाव के कार्य में जुट गये। बाद में जानकारी मिलने पर सदर एसडीओ दिलीप कुमार, एएसपी संजय कुमार पांडे, मुफस्सिल इंस्पेक्टर, पूसा सीओ व बीडीओ के अलावे पूसा, वैनी, ताजपुर एवं बंगरा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल पर एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग के टीम को भी बुलाया गया जिसके बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। बचाव दल ने जहाँ घटनास्थल से दो कर्मियों के क्षत - विक्षत शव को बरामद किया हैं। वही 4 गंभीर रूप से घायल कर्मियों को भी बचाव दल ने फौरन बेहतर इलाज के लिए एम्बुलेंस से सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। घटनास्थल पर मौजूद सदर एसडीओ दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया इस घटना में फिलहाल दो कर्मियों के मौत की पुष्टि की गई है। मृतकों में प्लांट के कर्मी चंदेश्वर राय कर्जा मुजफ्फरपुर एवं संजय कुमार राय दरभंगा का नाम शामिल है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल प्लांट के चार कर्मियों में ललित कुमार, ज्योति कुमार, राज बल्लव व पूसा के दिगंबरा निवासी पवन कुमार को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मलवे में अन्य कर्मियों के दबे होने की आशंका को देखते हुए उनकी खोजबीन कराई जा रही है। इस कार्य में एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग के टीम के अलावे स्थानिय प्रशासन जुटी हुई है। कर्मियों के अनुसार फैक्ट्री मालिक की पहचान मुजफ्फरपुर मोतीपुर निवासी मनोहर कुमार व दिलीप कुमार के रूप में की गई हैं। दोनो फैक्ट्री के पार्टनर बताए गये हैं।

केवटा में महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत, जहर देकर हत्या का लगाया आरोप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा वार्ड संख्या 02 में एक महिला की संदिग्ध अवस्था में घर में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक महिला के बच्चों द्वारा उनके परिजन को इसकी सूचना दिया। जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को इसकी सुचना दी। मृतका कि पहचान केवटा वार्ड संख्या 2 निवासी भूषण राय के पुत्र विकास कुमार की 28 वर्षीय पत्नी स्वीटी कुमारी के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची दलसिंहसराय थाना कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई। मृतिका के मायके पक्ष के लोगों ने सास और ननद पर जहर पिलाकर हत्या कर देने का आरोप लगाया है। रसोई के पास ही एक ग्लास में तरल पदार्थ भी पाया गया। घटना के बाद सास एंव ननद घर से फरार हो गई। घर में मौजूद मृतका के पति विकास कुमार ने बताया कि घर में सास बहु में झगड़ा होता रहता था, लेकिन कभी इस तरह का कई अनहोनी का शंका नहीं था। मृतिका के तीन बच्चे हैं। रिश्ते में लगने वाले मौसा नितीश कुमार ने बताया कि इसकी हत्या जहर पिलाकर सास व ननद ने कर दिया है। घटना को लेकर डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया की घटना की सूचना पर पुलिस गई थी। छानबीन करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वही मृतका के पति को पूछताछ के लिए पकड़ कर लाया गया है।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में लोगों की सुनी समस्या, निराकरण का दिया निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। डीएम रिची पांडेय बाजपट्टी के आदर्श पंचायत सरकार भवन में आयोजित जनता दरबार में पहुंचे। उपस्थित आम आवाम से उन्होंने संवाद स्थापित किया।उपस्थित लोगों से उन्होंने फीडबैक भी ली तथा उनकी समस्याओं को सुना। समस्याओं के निराकरण के निमित उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

उक्त मौके पर जिला पदाधिकारी श्री पाण्डेय ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनना एवं उनका निराकरण करने का है। साथ ही इससे अवगत होना कि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं जो पंचायत स्तर पर संचालित की जा रही है, उनका क्रियान्वयन सही तरीके से हो रहा है या नहीं और उसके जो लाभार्थी है उनको किसी योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की कठिनाई हो रही है या नहीं। किसी प्रकार की उनकी शिकायत या परिवाद है तो उनको सुनना तथा उसके निराकरण के निमित अग्रेतर कार्रवाई करना है। कहा कि सभी अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कर्मी सजग रहेंगे तभी सभी योजनाओं का लाभ सभी योग्य लाभार्थी को मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत सरकार भवन का निर्माण से पंचायत स्तरीय कार्य पंचायत भवन में ही किया जा सकेगा एवं सभी तरह की सेवाएं की उपलब्धता होगी। कहा कि आपको प्रखंड, अनुमंडल या जिला में जाने की जरूरत न पड़े। पंचायत सरकार भवन का संचालन सही से हो इसके लिए निर्देशित किया गया है। आरटीपीएस की सुविधाओं का संचालन का कार्य कार्यपालक सहायक को ऑनलाइन सेवाओं का लाभ देने हेतु सख्त निर्देश दिया गया है ताकि सभी आम जनों का कार्य ससमय हो सके। पंचायत स्तर पर महत्वपूर्ण योजनाएं, हर घर लाल का जल, स्वास्थ्य विभाग की सेवाएं, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सको की ड्यूटी, विद्यालय का संचालन एवं मध्यान भोजन बन रहा है या नहीं, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आईसीडीएस द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ, कृषि, श्रम, उद्योग विभाग आदि की योजनाओं का पंचायत सरकार भवन में प्रचार प्रसार हो। उपरोक्त सभी योजनाओं का लाभ लाभुकों को मिल सके इस बाबत संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है। संजीता देवी, अनवरी खातून, सुमेदा खातून, शिवजी पासवान, फूली खातून को वासगीत पर्चा दिया गया।

आत्मा की पहल पर नवयुवक किसानों को दी जा रही है वर्मी कंपोस्ट उत्पादन का प्रशिक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत आयोजित बीएसडीएम योजना अंतर्गत आरपीएल में वर्मी कंपोस्ट प्रोड्यूसर विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है। इसमें नवयुवक बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप परियोजना निदेशक आत्मा रजनीकांत भारती ने किसानों को वर्मी कंपोस्ट की बारीकियों को बताते हुए उन्हें खेती-बारी पत्रिका सहित वर्मी कंपोस्ट एवं जैविक खेती से जुड़ी अन्य लीफलेट फोल्डर भी दिया। प्रशिक्षुओं को गुणवत्तापूर्ण वर्मी कंपोस्ट उत्पादन, जैविक खेती में वर्मी कंपोस्ट का महत्व एवं बमीर्वास के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक प्रखंड तकनीकी प्रबंधक आर डी चौरसिया, सहायक तकनीकी प्रबंधक कमलेंद्र कुमार, दीपक कुमार निराला, लेखपाल मनोज कुमार, राममिलन ठाकुर एवं रीभा कुमारी, अंजली कुमारी, ज्योति कुमारी, रवि किशन, रुकैया खातून, पूजा कुमारी सहित सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

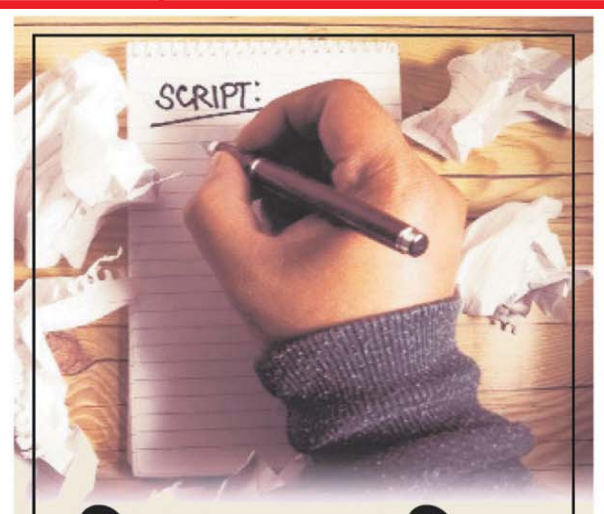

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।
जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत:-व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।''उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़त, बजट विस्तार और खाद्य मुद्रास्फीति का मुद्दा

- 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत होने की संभावना

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान और खाद्य मुद्रास्फीति की चिंता के बीच सरकार ने तेजी से कदम बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का बढ़ना व्यापक तौर पर देखा जा रहा है। एक कैपिटल ग्रुप के अनुसार त्योहारों और शादियों के मौसम ने विभिन्न क्षेत्रों में मांग को बढ़ाया है। एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री ने बताया कि 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रिटेल सेक्टर में भी बड़े बदलाव के दौर पर है, जिसमें क्लिक कॉमर्स का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। वित्त वर्ष 2025 में व्यय में बढ़ोतरी से जुड़ी संभावनाएं हैं और रक्षा, बिजली, डेटा सेंटर और रेलवे सेक्टर में निवेश के लिए बजट महत्वपूर्ण होगा। कृषि क्षेत्र में भी अच्छी फसलों की संभावना है, जो मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था में नए संकेत और उम्मीद देखने को मिल रहे हैं। आने वाली बजट में और विकेंद्रीकरण के माध्यम से सरकार ने वित्तीय स्थिति पर संक्रमण लाने की कोशिश की है, जो व्यापक विकास और भावनात्मक बाजार के लिए एक अनुकूल दौर की शुरुआत कर सकती है। दुनिया भर में

अर्थव्यवस्था की ताजगी को ध्यान में रखते हुए भारत की मुद्रास्फीति को कम करने की दिशा में सरकार के कदम निर्णायक हों सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में नॉर्वे सबसे आगे

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नॉर्वे सबसे आगे निकल गया है, वहीं भारत को इस क्षेत्र में अभी काफी मेहनत करने की जरुरत है। नार्वेजियन रोड फेडरेशन (ओएफवी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में नॉर्वे में कुल 1,28,691 नई गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जिनमें से 1,14,400 गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं।

यह संख्या देश में 89प्रतिशत नई गाड़ियों की इलेक्ट्रिक बिक्री को दर्शाती है। यह उपलब्धि नॉर्वे के 2025 तक सभी नई गाड़ियों को ÷जीरो उत्सर्जन÷ बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के करीब पहुंचने का संकेत देती है। गौरतलब है कि नॉर्वे, जो कि एक प्रमुख ऊर्जा उत्पादक और तेल निर्यातक देश है, ने पिछले 12 वर्षों में ईवी क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। 2012 में नॉर्वे में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत थी। लेकिन, सरकार द्वारा टैक्स छूट, टोल माफी, मुफ्त पार्किंग, और सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट लेन के उपयोग जैसे प्रोत्साहन देने से यह आंकड़ा तेजी से बढ़ा। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ प्रोत्साहनों को हटाया गया है, लेकिन इलेक्ट्रिक गाड़ियां नॉर्वे की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। 2024 में नॉर्वे के ईवी बाजार में टेस्ला ने 19प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद फोक्सवागन, टोयोटा, वॉल्वो और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां रहीं। दिलचस्प बात यह है कि चीनी ब्रांड्स भी नॉर्वे के ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, और 2025 में यह देखना रोचक होगा कि वे खरीदारों को कितना आकर्षित कर पाते हैं।

वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्थिति नॉर्वे से बिल्कुल अलग है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, 2024 में भारत में बिकने वाली कुल गाड़ियों में से केवल 2प्रतिशत गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं। भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और उच्च लागत ईवी की लोकप्रियता में बड़ी बाधा है। हालांकि, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों का अच्छा प्रदर्शन देखा गया। 2024 में बिकने वाले थ्री-व्हीलरों में 50प्रतिशत और टू-व्हीलरों में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की थी। भारतीय बाजार में टाटा, महिंद्रा, हुंडई, और एमजी जैसी कंपनियां प्रमुख हैं।

हर महीने 3 लाख से यूनिट्स बिकती हैं हीरो स्पलैंडर प्लस की

नई दिल्ली ।

हीरो स्पलैंडर प्लस बाइक न केवल भारतीय बाजार में बल्कि बाइकिंग समुदाय में भी एक लोकप्रिय विकल्प बन चुकी है। हर महीने हीरो स्पलैंडर प्लस बाइक की 3 लाख से अधिक यूनिट्स बिकती हैं।

हालांकि, अब हीरो ने इस बाइक की कीमत में बढ़ोतरी की है, जो उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित हो सकता है। पहले हीरो स्पलैंडर प्लस की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 75,441 थी, जिसे अब रुपए 1,735 बढ़ाकर रुपए 77,176 कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी विभिन्न कारणों से हुई है, जिसमें उत्पादन लागत में वृद्धि और अन्य कारकों का योगदान हो सकता है। हालांकि, यह कीमत राज्य और स्थानीय टैक्स के हिसाब से थोड़ा अलग हो सकती है। इसके बावजूद, हीरो स्पलैंडर प्लस के ग्राहक अभी भी इसे एक किफायती और मजबूत विकल्प मानते हैं।

हीरो स्पलैंडर प्लस में 100सीसी का एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर ओएचसी इंजन है, जो 5.9 केडब्ल्यू की पावर और 8.05 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके साथ ही इसमें 4-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है, जो इसे एक स्लीक और किफायती राइड बनाता है। इसमें प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम भी है, जो बाइक की माइलेज को बेहतर बनाता है।

यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में लगभग 70 किलोमीटर तक चल सकती है, जो इसे भारत के अधिकतर राइडर्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। इसकी बढ़ी हुई कीमत के बावजूद, हीरो स्पलैंडर प्लस की लोकप्रियता में कोई कमी आने की संभावना नहीं है, क्योंकि यह भारतीय बाइक बाजार में अपनी विश्वसनीयता और किफायती राइडिंग अनुभव के लिए प्रसिद्ध है। बता दें कि भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक्स में हीरो स्पलैंडर प्लस का नाम हमेशा शीर्ष पर आता है। इसकी सफलता का मुख्य कारण इसका सिंपल डिजाइन, बेहतरीन माइलेज और भरोसेमंद इंजन है।

एसबीआई लाइफ ने बनाया इतिहास, एलआईसी को पीछे छोड़ा

- एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी है, ले किन पहली बार एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने एलआईसी को पछाड़ दिया है। दिसंबर में एसबीआई लाइफ का प्रीमियम एलआईसी से अधिक रहा, जो इस कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। नई व्यक्तिगत गैर-एकल प्रीमियम पॉलिसीज से जुटाए गए 3,416 करोड़ रुपये, जो 2023 की तुलना में 16.7 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का दिसंबर में प्रीमियम पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी गिरकर 22,981 करोड़ रुपये है। सबसे बड़ी गिरावट ग्रुप सिंगल प्रीमियम पॉलिसीज से आई, जो पिछले साल के 17,601 करोड़ रुपये से 8,191 करोड़ रुपये रह गई। अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए एलआईसी ने दिसंबर 2024 में 13,523 करोड़ रुपये के कुल नए व्यवसाय प्रीमियम के साथ सबसे बड़ी कंपनी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। एसबीआई लाइफ की भी प्रीमियम में वृद्धि दर्ज की गई है, जो इसे इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। मार्केट हिस्सेदारी में भी इसकी ज़बरदस्त बढ़त देखने को मिल रही है।

शेयर बाजार में गिरावट के साथ अडानी को 5.06 अरब डॉलर की संपत्ति का नुकसान

दुनिया के अमीरों की सूची में 22वें स्थान पर पहुंचे, एलन मस्क टॉप पर

नई दिल्ली।

देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के लिए सोमवार का दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। शेयर बाजार में भारी गिरावट का असर अडानी ग्रुप के शेयरों पर भी पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को गौतम अडानी की संपत्ति में 5.06 अरब डॉलर यानी करीब 4,37,71 करोड़ रुपए की भारी गिरावट दर्ज की गई। अडानी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके चलते वह दुनिया के अमीरों की सूची में नीचे गिरकर 22वें स्थान पर पहुंच गए। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 12.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से केवल चार की नेटवर्थ में तेजी आई। एलन मस्क 432 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ टॉप पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 6.17 अरब डॉलर की तेजी आई। जेफ बेजोस 238 अरब डॉलर के साथ दूसरे, मार्क जकरबर्ग 215 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 181 अरब डॉलर चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट 176 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। इसके बाद लैरी पेज 169 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन 159 अरब डॉलर, बिल गेट्स 158 अरब डॉलर, स्टीव बालमर 145 अरब डॉलर और वॉरेन बफे 139 अरब डॉलर के नंबर पर है। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 1.23 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 90.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें स्थान पर हैं।

कच्चा तेल 80 डॉलर के पार, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इसी आधार पर देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमत तय की जाती है। हालांकि लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई फेरबदल देखने को नहीं मिला है। हालांकि, राज्य स्तर पर कीमतों में मामूली बदलाव देखा गया है। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 80 डॉलर के पार है। ब्रेंट क्रूड 80.75 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.63 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को भी सभी महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर ही रखी हैं।

चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर 16.90 लाख करोड़ तक पहुंच गया

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के मुताबिक 12 जनवरी 2025 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर लगभग 16.90 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसमें व्यक्तिगत आयकर से जुड़ा गैर-कंपनी कर संग्रह 8.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। इसके साथ ही शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह लगभग 7.68 लाख करोड़ रुपए और प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 44,538 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान 3.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए गए। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 42.49 प्रतिशत अधिक है। एक अप्रैल से 12 जनवरी के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 22.07 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसमें 10.20 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर संग्रह, 11.87 लाख करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर और अन्य कर शामिल हैं। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में तेजी देखी गई है। इसमें पर्सनल इनकम टैक्स भी शामिल है। कुल संग्रह बढ़कर 10.45 लाख करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल समान अवधि में 8.58 लाख करोड़ रुपए था। इस सेगमेंट में नेट कलेक्शन में 15.88 फीसदी तेजी के साथ 8.74 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया जो पिछले साल 7.19 लाख करोड़ रुपए था। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट टैक्स, पर्सनल इनकम टैक्स, सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स, इक्विलाइजेशन लेवी, फिंज बेनिफिट्स टैक्स, वेल्थ टैक्स, बैंकिंग कैश ट्रांजैक्शन टैक्स, होटल रिसीट टैक्स, इंटरेस्ट टैक्स, एक्सपेंडीचर टैक्स, एस्टेट ड्यूटी और गिफ्ट टैक्स आते हैं।

दिसंबर 2024 में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर हुई 2.37 प्रतिशत

- थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी

नई दिल्ली । विनिर्मित उत्पादों के महंगे होने की वजह से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में बढ़कर 2.37 प्रतिशत हो गई। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट देखी गई है। मंगलवार को सरकारी आंकड़ें जारी किए गए हैं जिनसे यह जानकारी मिली है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी। दिसंबर 2023 में यह 0.86 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में कम होकर 8.47 प्रतिशत रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति नवंबर में 28.57 प्रतिशत के मुकाबले दिसंबर में 28.65 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति 93.20 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 16.81 प्रतिशत हो गई। खाद्य पदार्थों में अनाज, दालें, गेहूं की मुद्रास्फीति दिसंबर में कम हुई। ईंधन और बिजली के मामले में बात की जाए तो दिसंबर में मुद्रास्फीति घटकर 3.79 प्रतिशत हो गई जो नवंबर में 5.83 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति 2.14 प्रतिशत रही, जबकि नवंबर में यह दो प्रतिशत थी। खुदरा मुद्रास्फीति के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

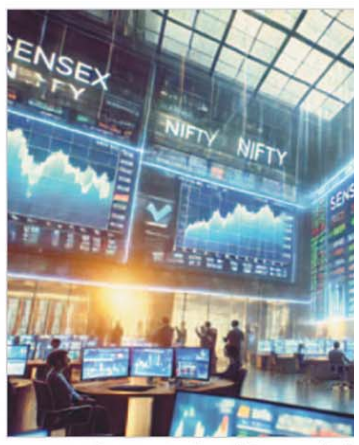

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इस प्रकार बाजार गत दिवस की बड़ी गिरावट से कुछ हद तक उबर गया। बाजार में आज दूसरे कारोबारी दिन बढ़त का कारण दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होना रहा पर आईटी स्टॉक्स में गिरावट से बाजारों की इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। इसके अलावा आर्थिक वृद्धि और तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर भी बाजार पर प्रभाव पड़ा। विदेशी निवेशकों ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयरों से 2.75 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 169 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 76,499.63 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,200 के पार तक चला गया था। अंत में यह 90.10 अंक या 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,176.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक 5 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। एनटीपीसी, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, एसबीआई, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और बजाज फाइनेंस के शेयर बढ़त पर रहे।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में नौ फीसदी से अधिक की गिरावट आई। टेक महिन्द्रा, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और नेस्ले के शेयर भी नीचे आये।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे। डॉव जोंस 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जहां निवेशकों ने कैटरपिलर, जेपी मॉर्गन और यूनाइटेडहेल्थ जैसे गैर-तकनीकी शेयरों पर ध्यान दिया। दूसरी ओर, नैस्डैक 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 ने 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। हालांकि, आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजारों में तेजी को सीमित कर दिया। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 76,335 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ खुलकर 112.95 अंक चढ़कर 23,198.90 पर कारोबार कर रहा था।

क्वाड्रेंट फ्यूचर का शेयर 29 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 290 से 29 फीसदी की तेजी के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 28.96 प्रतिशत चढ़कर 374 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ और बाद में 54.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 448.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 27.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 370 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,795 करोड़ रुपये रहा। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के 290 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कि पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 185.82 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 275-290 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ पूर्णतः 290 करोड़ रुपये तक के नए शेयर का निर्गम था जिसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं थी। क्वाड्रेंट एक शोध कंपनी है, जो भारतीय रेलवे की 'कवच' परियोजना के तहत नई पीढ़ी के ट्रेन नियंत्रक तथा 'सिग्नलिंग सिस्टम' विकसित करती है।

भारत ऊर्जा सप्ताह 2025: ऊर्जा सहयोग का नया मंच

रांची : दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, भारत ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तैयार है। इसी कड़ी में भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 (आईईडब्ल्यू 2025) का आयोजन 11 से 14 फरवरी के बीच नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) द्वारा आयोजित यह सम्मेलन ऊर्जा के भविष्य पर वैश्विक संवाद को दिशा देगा।

इस साल का भारत ऊर्जा सप्ताह पहले से कहीं अधिक भव्य होगा। 70,000 से अधिक प्रतिनिधियों, 700 से अधिक प्रदर्शकों और 120 से ज्यादा देशों की भागीदारी इसे खास बनाएगी। 20 से अधिक देशों के ऊर्जा मंत्री और 90 से ज्यादा वैश्विक कंपनियों के सीईओ, जैसे बीपी, टोटलएनर्जीस, कतरएनर्जी, एडीएनओसी, बेकर ह्यूजेस और विटोल समूह आदि इसमें शिरकत करेंगे।

आईईडब्ल्यू 2025 में सात प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कटौती, डिजिटल इनोवेशन, ऊर्जा सहयोग आदि शामिल हैं। इस साल खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे अत्याधुनिक विषयों पर चर्चा होगी।

यह आयोजन ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन समाधान और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने का एक प्रभावशाली मंच बनेगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन के अनुसार, आईईडब्ल्यू 2025 ऊर्जा परिवर्तन और नवाचार का केंद्र बनेगा, जहाँ विश्व भर के हितधारक ऊर्जा के भविष्य को आकार देने के लिए एक साथ आएँगे।

भारत, जो वैश्विक ऊर्जा बदलाव में एक मजबूत भूमिका निभा रहा है, इस मंच का उपयोग अपनी प्रमुख योजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए करेगा। नीति आयोग, ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

आईईडब्ल्यू 2025 में अविन्या एनर्जी स्टार्टअप चैलेंज 2.0 आयोजित किया जाएगा, जिसमें उभरते स्टार्टअप्स को अपने नवीन समाधान पेश करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, छात्रों और नवाचारकताओं के लिए निःशुल्क कार्यशालाएँ भी होंगी। यह आयोजन न सिर्फ भारत, बल्कि वैश्विक ऊर्जा भविष्य के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा।

डिजिटल लेन-देन में तेजी के साथ-साथ लगातार बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के मामले भी

- भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के साथ-साथ साइबर फ्रॉड के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि लोग एक तरह के धोखाधड़ी से अवगत हो रहे हैं, तो दूसरी ओर फर्जी ऐप्स के माध्यम से लोगों को धोखा देकर पैसे लूट रहे हैं। यूपीआई के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई है। लाखों लोग इस ऐप के जरिए लेनदेन करते हैं, जिससे करोड़ों रुपए के लेन-देन का समापन होता है। भारतीय स्टेट बैंक जैसे विशाल सरकारी बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की है। ऐप स्टोर पर कई फर्जी यूपीआई ऐप्स उपलब्ध हो गए हैं जिनके माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को फर्जी मैसेज भेजकर से लूट रहे हैं। अपराधी आपके बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं, इसके बाद वे आपको गलती से पैसे भेज दिए हैं का दावा करके पैसे वापस मांगने की कोशिश करते हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है, तो सबसे पहले आपको अपने बैंक खाते की स्थिति जांचनी चाहिए। अगर आपके खाते में अप्रत्याशित लेन-देन होता है, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर कॉल करें और शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराधियों को बढ़ती हुई चुनौती का सामना करने के लिए हमें सतर्क और सुरक्षित रहने की जरूरत है।

चीन की हरकत से एप्पल की निर्माण योजनाओं पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली । एप्पल ने भारत में अपने निर्माण और विस्तार की योजनाओं को आगे बढाने का ऐलान किया जबकि चीन ने एप्पल की निर्यात श्रृंखला को लक्ष्य स्थल बनाते हुए उद्योग पर मुहर लगाने की या चिंता जताने की कोशिश की है। फॉक्सकॉन ने भारत सरकार से मदद मांगी है, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इसमें भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की चुनौती दे रहा है। चीन ने एप्पल के लिए जरूरी निर्माण उपकरणों की शिपमेंट में देरी शुरू कर दी है, जिससे उत्पादन को बाधित किया जा सकता है। इससे नए आइफोन मॉडल्स के ट्रायल रन के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इस मामले पर भारत सरकार सतर्क है और एप्पल की समस्या को हल करने के लिए कार्रवाई करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर कदम उठा सकती है।

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

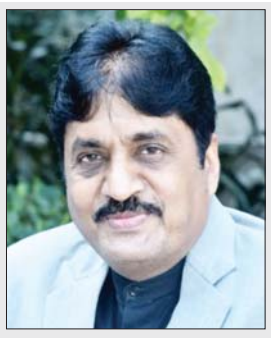

ललित गर्ग

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम

से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। ह्यमन जो चाहे वही करोह्न की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तें के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

संपादकीय

सही दिशा में कश्मीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कश्मीर के गांदरबल जिले में 6.5 किमी. लंबी जेड़ मोड़.सुरंग का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह ताज और सुंदर तथा समृद्ध हो।' उन्होंने आगे यह भी कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिल कर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।' लेकिन इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दिया गया भाषण ज्यादा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक है, जिसके अनेक निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि 'पंद्रह दिन के अंदर पहले जम्मू को रेलवे ड़िवीजन और अब टनल, इन परियोजनाओं से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो जाती है।' प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का उल्लेखकरते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर के लोगों को किया गया अपना तीसरा वादा भी पूरा करेंगे, जो राज्य का दर्जा बहाल करना है।' मुख्यमंत्री के भाषण से प्रतीत होता है कि उनका कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहभंग हुआ है और उन्होंने अच्छी तरह से समझ लिया है कि अगर जम्मू-कश्मीर का विकास करना है और यहां व्यवस्थित सरकार चलानी है तो प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से ही चला सकते हैं, टकराव से नहीं। अगर मोदी का सहयोग मिलता रहेगा तो केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप भी नहीं होगा। जाहिर है कि इस पर्वतीय प्रदेश में राज्य सरकार और केंद्र के बीच सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा, शांति और स्थिरता आएगी। आतंकवाद और अलगाववाद परास्त होगा। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिएये आवश्यक शर्त है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। संतोषजनक विकास भी हुआ है जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण के जरिए समझदारी का परिचय दिया है और अच्छी बात यह है कि यहां के मुसलमान भी अच्छी तरह समझने लगे हैं कि कश्मीर का भविष्य अस्थिर, अराजकताग्रस्त और आर्थिक रूप से संकटग्रस्त पाकिस्तान जैसे देश के साथ नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत देश के साथहै। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कश्मीरी अवाम की इसी सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। सपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए सपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। ....

सर्द मौसम की ठिठुरन में धधकता सियासी गलियारा

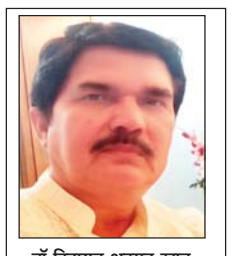

डॉ हिदायत अहमद खान

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे की चादर ने जहां आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित करके रख दिया है, वहीं सियासी गलियारा नेताओं की जुबानी जंग से गरमाया हुआ है। इस चुनावी बेला में कोई किसी को चोर तो कोई महाचोर कहने से गुरेज नहीं कर रहा है। इस तरह सफेदपोशों को एक-दूसरे के दामन में दाग ही दाग नजर आ रहे हैं, जिन्हें सत्ता के डिटरजेंट से साफ करने की जुगाड़ भिड़ाने में भी कोई पीछे नहीं रहना चाहता है। घने कोहरे के कारण दृश्यता का बेहद कम हो जाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दृष्यता जो पहले कभी साफ नजर आती थी, फिलहाल भ्रमित करने वाली प्रतीत हो रही है। इसकी मुख्य वजह गठबंधन से इतर सभी अपना-अपना दांव खेलने को आतुर हैं। जो पहले कभी दोस्ती की डींगें हांकते थे वो भी खानदानी दुश्मनों की तरह, एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहा रहे हैं। ऐसे हालात में मौजूदा आम आदमी पार्टी आगे भी दिल्ली की कुर्सी पर विराजमान रहेगी या फिर कांग्रेस या भाजपा किसका दांव सफल होगा यह देखने वाली बात है। आखिर अगली सरकार किसकी होगी? जीत के दावे तो सभी अपने स्तर पर कर ही रहे हैं। जीतने के माकूल कारण भी बखूबी गिनाए जा रहे हैं, लेकिन जनता-जनार्दन जिसे इसका फैसला करना है वह मूक दर्शक बन सभी को परखने में लगी हुई है। खास बात यह है कि मुफ्त की रेबड़ियां बांटने में कोई पीछे नजर नहीं आ रहा है। इसलिए काम और लोक-लुभावन वादों में चुनाव जीतने वाला फामूर्ला इस समय लागू होता नहीं दिख रहा है। जहां तक चुनावी तैयारी की बात है तो यहां चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित करता उससे पहले ही आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए बतला दिया था कि उसके आगे किसी और की चलने वाली नहीं है। यह अलग बात है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शिकंजा कसा हुआ है और वे बहुत ज्यादा दायं-बांय नहीं हो सकते हैं। मौजूद सीएम आतिशी पर भी चुनाव आचार संहिता को लेक मामला दर्ज कराया जा चुका है। मतलब साफ है कि तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है। वैसे भी सवाल यह है कि केंद्र में रहते हुए भाजपा आखिर ऐसा कैसे होने दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और खासतौर पर भाजपा दिल्ली चुनाव को लेकर खासी गंभीर नजर आ रही है। अतः पिछले चुनावों की ही तरह इस चुनाव में भी भाजपा नेता लगातार साम-दाम, दंड, भेद की नीति को अपनाए हुए हैं और कोशिश में हैं कि किसी भी तरह से इस बार दिल्ली उनके पाले में आ जाए। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी सत्ता की कमान संभालने के बावजूद हमेशा ही चुनाव मोड में रहते आए हैं। हर कार्य को चुनावी तराजु में तौलने का कार्य बखूबी किया जाता रहा है। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं से लेकर आधारशिलाएं रखने और उद्घाटन करने तक को चुनावों को साधने वाला बताया जाता रहा है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि इस ठिठुरन में भी प्रधानमंत्री मोदी राजधानी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक लोगों को लुभाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे हैं। यही वजह है कि चुनावी विश्लेषक कहते दिख जाते हैं कि इस बार दिल्ली में कुछ नया होने वाला है। इस बात में दम भी है, क्योंकि कोहरे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए पीएम मोदी जहां उड़ान भरते हैं, वहीं भाजपा नेता दिल्ली चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कमर कस गलि-मोहल्ले में निकलते दिखे हैं। इस ठिठुरन भरी सुबह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए उड़ान भरी। मुंबई पहुंचे तो वहां पर नौसेना के तीन प्रमुख युद्धपोत - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि, और आईएनएस वाघशीर - को राष्ट्र को समर्पित कर मोदी है तो मुमकिन है वाला संदेश भी दे दिया। वैसे यह सच है कि नौसैना को समर्पित युद्धपोत वाकई भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जैसा ही काम है। इन सब से हटकर यदि बात कांग्रेस की करें तो वह भी किसी भी स्तर पर अन्य से पीछे नहीं दिख रही है। यही वजह है कि इस सर्द सुबह और कोहरे के बीच कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नई दिल्ली में पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन का उद्घाटन करते नजर आ गए हैं। इस खास मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता व अनेक नागरिक उपस्थित थे। इससे यह संदेश जाता है कि कांग्रेस इस बार दिल्ली चुनाव में अपने पूरे दम-खम के साथ उतरी है और कुछ बेहतर करने की दृढ़ इच्छा रखती है। पहले कभी कांग्रेस का गढ़ रही दिल्ली अब एक बार फिर कुछ नया करके दिखाने को आतुर दिख रही है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सरकार बदल जाएगी और रजनीति थम जाएगी, बल्कि चुनाव से लेकर चुनाव बाद तक सियासी गलियारा धधकता रहने वाला है। इसकी मुख्य वजह प्रमुख नेताओं पर जो केस चल रहे हैं और लगातार मामले दर्ज हो रहे हैं उसका दूरगामी परिणाम भी इस चुनाव में असर छोड़ने वाला है। अंततः दिल्ली का मतदाता क्या सोचता है और किसे अपना हितैषी मानता है यह तो उसके मन की बात है। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से दिल्ली सरकार को चलाया और लोगों को अपने कार्यों और निर्णयों से जोड़े रखा उससे संदेश तो यही जाता है कि उससे सत्ता छीनना भाजपा और कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होने वाला है।

प. बंगालः तृणमूल में 'खेला' तो होगा

शंकर जालान

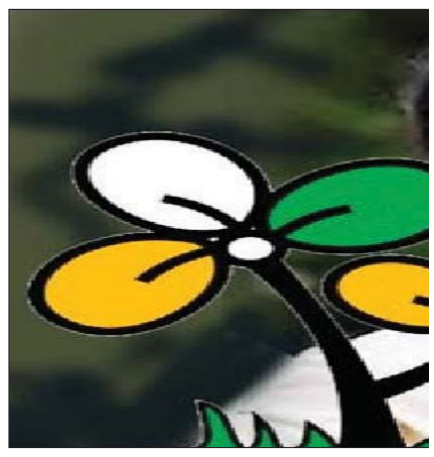

'खेला होबे', 'खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही 'खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है। बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा 'खेला' होने वाला है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं। गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरुआत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्त्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्त्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास नहीं आ रहा।

अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का, जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दूसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद 'जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नयेझपुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है।

टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

हाल में भांगड़ में अराबुल इस्लाम और सावकत मोल्लाह के बीच गुटीय संघर्ष की बात सामने आई। दोनों एक-दूसरे को टीएमसी का सदस्य मानने से भी कतरा रहे थे। अंततः अराबुल को निलंबित कर दिया गया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक साथ रेप और हत्या के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार मुखर रहे टीएमसीके पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। शांतनु सेन को राजनीतिक हल्कों में अभिषेक का करीबी माना जाता है। टीएमसी ने उन्हें पार्षद से राज्य सभा सांसद बनाया। अभिषेक की मेहरबानी से चिकित्सकों के संगठन के अखिल भारतीय अध्यक्ष बन गए थे। पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर किया। राजनीति के पंडित इस निलंबन के पीछे भी विशेष रणनीति देख रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि टीएमसी में निलंबन की बात कब उठती है, यह भी स्पष्ट नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन की घोषणा उन जयप्रकाश मजूमदार ने की जो कभी भाजपा में थे। अभिषेक के दोनों करीबियों के निलंबन को लेकर सूबे की राजनीति में उथल-पुथल मची है। चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह ह्यखेला' कहां तक चलेगा और कहां जाकर खत्म होगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

फिर से जमेगी अक्षय के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी, प्रियदर्शन की भूत बांग्ला में लगाएंगी तड़का

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री कंमर्फ हो चुकी है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी है। ड्यून- प्रोफेसी में जबर्दस्त अभिनय के बाद आखिरकार, तब्बू ने खुलासा किया है कि वह आगे क्या करने की योजना बना रही हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में वह अगली बार नजर आएंगी। इसका खुलासा खुद तब्बू ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था भूत बांग्ला। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, हम यहां बंद हैं। तब्बू की इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं कि भूल भूलैया 2 के बाद अब वह तब्बू को फिल्म भूल बंगला में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते देख पाएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म है भूत बंगला

2000 की फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तप्पू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। कुछ समय से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि तब्बू भी इस ड्रामा में शामिल होंगी, लेकिन प्रशंसक आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, तब्बू की इंस्टाग्राम पोस्ट ने खुलासा कर ही दिया है कि वह भूत बंगला का हिस्सा हैं और इस हॉरर कॉमेडी में वह एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। 2026 में आने वाली फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं।

वेब सीरीज पिरामिड में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रही हैं हेली शाह

हेली शाह को इन दिनों वेब सीरीज पिरामिड में देखा जा रहा है। इसमें रोहन मेहरा, हर्षद अरोरा, करण शर्मा, क्रिस्टन बैरेटो भी हैं। हेली ने खास बातचीत की।

सीरीज की कहानी और अपने किरदार के बारे में बताइए?
मेरे किरदार का नाम वृंदा है। वह जर्नलिस्ट है। उसके बहुत सारे सपने हैं। अपने पापा के साथ रहती है। वृंदा ने क्रिप्टो करेंसी यानी डिजिटल मनी में इन्वेस्टमेंट किया होता है। उसे उम्मीद है कि बहुत ज्यादा रिटर्न मिलेगा, जो उसे ऑन एप में दिख भी रहा होता है। लेकिन इसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न आते हैं। यह कैसी स्कीम है, कैसे स्कैम होता है, यह शो देखने पर पता चलता है।

रियल लाइफ में किस ऊंचाई पर पहुंचने की ख्वाहिश रखती हैं?
मुझे नहीं लगता है कि मेरे दिमाग में कोई एक सेट लिमिट है। बतौर ह्यूमन ग्राउंडेड रहना चाहती हूं। मैं कुछ न कुछ नई चीजें सीखते रहना चाहती हूं और उसी से आगे भी बढ़ना चाहती हूं। हाइपोथेटिकली अगर बोलना चाहूं, तब नहीं बोल सकती कि एकदम टॉप पर पहुंचना चाहती हूं। लेकिन जर्नी कभी खत्म नहीं होती है। इस जर्नी में बहुत कुछ सीखते और सुधारते हुए आगे बढ़ते हैं। यह आखिर तक चलता रहता है।

रोहन मेहरा के साथ शूटिंग करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा?
रोहन के साथ शूट करने में बहुत मजा आया। न सिर्फ रोहन, बल्कि पूरी स्टार कास्ट नीरज, हर्षद, करण आदि के साथ शूटिंग की बहुत फन जर्नी रही। रोहन के साथ ही मैक्सिमम सीन हैं। उनके साथ काम करना बड़ा दिलचस्प रहा। हमारा एक शेड्यूल मनाली में भी था, जो काफी इंटरेस्टिंग था। वहां की लोकेशन मनलुभावन रही। लेकिन मैं जैसे ही मनाली पहुंची, वैसे ही बीमार पड़ गई।

बतौर फीमेल लीड रोल प्ले करने का कितना प्रेशर होता है?
यह सही है कि ओटीटी पर मेल सेंट्रिक शो आते हैं। उनकी वजह से शो चल रहा है, यह भी सही है। क्योंकि ऐसी कई सारी वेब सीरीज हैं, जिसमें मेल कैरेक्टर ही शो को आगे बढ़ाता है और लोगों को पसंद आता है। लेकिन मैं अपने आपको बहुत ग्लैड और खुशनसीब समझती हूं कि कुछ लोग ऐसे शो बनाना चाह रहे हैं, जिसमें फीमेल सेंट्रिक कैरेक्टर हो। मैं ग्लैड हूं कि पिरामिड मिला। उससे भी बड़ी बात यह है कि मेरे किरदार वृंदा के साथ ही सारी चीजें होती हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह शो करके बहुत खुश हूं।

इमरजेंसी देखने को उत्साहित सलमान खान

कंगना रनौत ने हाल ही में सलमान खान के साथ अपनी दोस्ती पर बात की और बताया कि बॉलीवुड के भाईजान और उनकी दोस्ती वर्षों पुरानी है। कंगना ने यह खुलासा भी किया कि उन्हें सलमान खान के साथ काम करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों कभी परदे पर साथ काम नहीं कर पाए। कंगना ने कहा, आप सलमान खान को देखें तो उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है, लोग उन्हें प्यार करते हैं, जो उन्हें प्यार करते हैं वो उनसे प्यार करते रहेंगे, लेकिन जो लोग उन्हें परेशान करने वाले होते हैं, वो जाहिर तौर पर उनसे नफरत करेंगे। कंगना ने बताया कि उन्हें बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी फिल्में ऑफर की गईं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, कंगना ने कहा कि भले ही उन्होंने सलमान की ऑफर की गई फिल्में ठुकरा दीं, लेकिन एक्टर उनके प्रति हमेशा दयालु बने रहे। कंगना ने आगे कहा, सलमान और मेरी आज भी बात होती है, वे इमरजेंसी देखने के लिए भी उत्साहित हैं। हमारा एक कॉमन फ्रेंड है, उन्होंने उसे भेजा और कहा कि तुम जाकर देखो कि उसने कौन सी फिल्म बनाई है। कंगना के मुताबिक सलमान ने उन्हें फोन भी किया, इस पर कंगना ने कहा, तो तुम्हारे पास खबर है, लेकिन तुमने खुद फिल्म नहीं देखी। बता दें कि इमरजेंसी17 जनवरी को रिलीज हो रही है।

रेसिंग करियर के बीच अजित ने अभिनय और सिनेमा को लेकर दिया बड़ा बयान

साउथ सुपरस्टार अजित ने एक इंटरव्यू में अभिनेता ने अपने अभिनय और रेसिंग करियर के बारे में बात की। उन्होंने आगे कहा कि रेसिंग सीजन शुरू होने तक वह कोई भी फिल्म साइन नहीं करेंगे और अक्तूबर से मार्च के बीच अभिनय करने की योजना बना रहे हैं।

फिल्मों में अभिनय कब करेंगे अजित

अजित ने इस बारे में बात की कि क्या उनके फिल्म अनुबंध उन्हें फिल्मों की शूटिंग के साथ-साथ रेसिंग करने की अनुमति देते हैं? अजित ने कहा, नहीं। मुझे यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है। फिलहाल, मैं मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने की योजना बना रहा हूं, न केवल एक ड्राइवर के रूप में बल्कि एक टीम के मालिक के रूप में भी। जब तक रेसिंग सीजन चालू नहीं हो जाता, मैं फिल्में साइन नहीं करूंगा और संभवतः अक्तूबर से मार्च के बीच, रेसिंग सीजन शुरू होने से पहले मैं शायद फिल्में करूंगा। मैं फिल्मों में अभिनय करूंगा, ताकि कोई भी चिंतित न हो और जब मैं रेस करूं तो मैं पूरी तरह से तैयार रहूं।

अजित का रेसिंग करियर

अपनी बातचीत के दौरान उन्होंने रेसिंग में आने के बारे में भी बताया। अजित ने कहा, मैं 18 साल का था जब मैंने भारत में मोटरसाइकिल रेसिंग शुरू की। और फिर मैं काम में व्यस्त हो गया, लेकिन मैंने 20-21 साल की उम्र तक मोटरसाइकिल रेसिंग की और फिर 1993 तक इसे जारी रखा। फिर मैं फिल्म उद्योग में आ गया और मैं 2002 में 32 साल का था, जब मैंने मोटर रेसिंग में वापस आने का फैसला किया, लेकिन मोटरसाइकिल में नहीं, चार पहिया वाहनों में।

रेसिंग के मालिक भी हैं अजित

अजीत कुमार रेसिंग के मालिक भी हैं। उनकी टीम पोर्श 992 क्लास में अपने साथियों मैथ्यू डेट्री, फैबियन डफीक्स और कैमरन मैकलियोड के साथ भाग लेगी। वहीं, बात करें अभिनेता की फिल्मों के बारे में तो वह दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों को लेकर भी सुर्खियों में बने हुए हैं, पहली विदामुयार्ची और दूसरी गुड बैड अग्ली। विदामुयार्ची पहले पोंगल पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे टाल दिया गया है और अब इसकी आधिकारिक नई रिलीज डेट का इंतजार है।

इस दिन रिलीज होगी गुड बैड अग्ली

वहीं, बात करें अजित की दूसरी फिल्म गुड बैड अग्ली के बारे में तो यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गुड बैड अग्ली बॉक्स ऑफिस पर पैन इंडिया स्टार प्रभास की द राजा साब के साथ क्लैश होगी। फिल्म में अजित के साथ तृषा, प्रसन्ना और सुनील भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

भारत में म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर शुरू करेंगी जसलीन रॉयल

भारत में काउंटडाउन शुरू हो गया है। पॉप सेंसेशन और चार्ट-टॉपर, जसलीन रॉयल कोल्डप्ले के म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। केवल एक हफ्ते से कम का समय बचा है, उसके बाद देशभर में हर तरफ कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का जादू देखने को मिलेगा। जसलीन ने अपने हालिया पोस्ट से फैंस का उत्साह भी दोगुना कर दिया है।

कॉन्सर्ट के लिए तैयार हैं जसलीन

हाल ही में, सोशल मीडिया पर कॉन्सर्ट के लिए नोट्स के साथ अपनी तैयारी की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'लाइफ लेटली। सिंग, स्लीप, कडल, रिपीट। वन वीक टू गो फॉर द कोल्डप्ले- म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स इंडिया टूर।' जसलीन भारत की लोकप्रिय पॉप आइकन हैं। आने वाले कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में जसलीन रॉयल का लेटेस्ट ट्रैक साहिबा है। जसलीन के हालिया पोस्ट पर लोगों ने कमेंट कर पूछा कि अब उनका अगला गाना कब आएगा। एक यूजर ने लिखा, आपको लाइव देखने का बेसब्री से इंतजार है। दूसरे यूजर ने लिखा, मेरा दिन आपके गानों से ही शुरू होता है। सच में आपको देखने का बेसब्री से इंतजार है।

सिंगिंग के साथ यह काम भी करेंगी जसलीन

जसलीन कॉन्सर्ट में गाने के साथ-साथ उसे परफॉर्म, कम्पोज, सॉन्ग राइटिंग और प्रोड्यूसिंग भी करेंगी। यही नहीं, यह दावा भी किया जा रहा है कि जसलीन इस कॉन्सर्ट में एकमात्र भारतीय गायिका होंगी। जसलीन अपने फैंस को आने वाले कॉन्सर्ट को लेकर अपनी तैयारी के बारे में पूरी तरह से अपडेट करती हैं। वह इस कॉन्सर्ट को लेकर वह बहुत उत्साहित हैं।
बता दें कि भारत में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट को लेकर लोगों में अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। फैंस की दीवानगी का ऐसा आलम है कि कॉन्सर्ट की टिकटें चंद मिनटों में बिक गईं। फैंस के क्रेज को देखते हुए बुक माय शो ने लोगों के लिए बोनस टिकटों की घोषणा की है।

मुझे कभी भी अपनी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा

आज से तकरीबन दो दशक पहले गुल पनाग ने मिस इंडिया बनने के बाद फिल्म धूप से अपने फिल्मी जीवन का आगाज किया था। मगर बीते सालों में उन्होंने काफी चुनिंदा काम किया। चुनिंदा काम करने का कारण वे बताती हैं, मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं आपको आकर्षित करें, आपको उन भूमिकाओं से जुड़ना चाहिए। मुझे खुशी है कि मैंने जितना भी काम किया है, वह पसंद किया गया और उस काम ने मुझे खुशी दी। मेरी ग्लैमरस इमेज भी काफी हावी रही मगर ओटीटी में मेरे चरित्रों ने उस अवधारणा को भी तोड़ा और मैंने ही नहीं, बल्कि दर्शकों ने भी मुझे नए तरीके से खोजा।
फिल्में हों या वेब सीरीज, गुल पनाग ने हमेशा से महिलावादी किरदारों को जीवंत किया है। वे निजी जिंदगी में एक एनजीओ भी चलाती हैं जो जेंडर इक्वैलिटी, शिक्षा, समानता जैसे मुद्दों पर काम करता है। महिला मुद्दे पर वे अपनी राय कहती हैं, लड़कियों को लेकर मुझे जो बात सबसे ज्यादा परेशान करती है, वह ये कि वे स्वयं को सीमाओं के अंदर बांधकर खुद के दायरे बना लेती हैं। देखिए महिलाओं के लिए सामाजिक दायरे तो होते ही हैं, फिर उसके भीतर वे अपनी तरक्की और सोच का दायरा संकुचित क्यों कर लेती हैं? उनकी यही सोच उनकी उन्नति में रुकावट बन जाती है। सदियों से हम लड़कियों की एक खास तरह से कंडीशनिंग की गई हैं कि ऐसे रहो, ये मत करो, वह मत करो और इन हदों में हम खुद के लिए और हद बनाकर बंध जाते हैं। हम लड़कियों को अपने दायरे कभी सेट नहीं करने चाहिए। उल्टा समाज के दायरों को तोड़ कर आगे बढ़ना होगा।

मुझे स्टैंड लेने का खामियाजा कभी नहीं भुगतना पड़ा

गुल पनाग अपनी बेबाकी के लिए भी खूब जानी जाती हैं। वे सामाजिक या राजनैतिक मुद्दों पर अपनी राय रखने से हिचकिचाती नहीं हैं। क्या उन्हें इसका कभी खामियाजा भुगतना पड़ा है? इस सवाल पर वे कहती हैं, मुझे लगता है कि ये संभव है कि आप अपने विचार रखें और लोगों को आह[illegible] करने की कोशिश न करें। मैं राजनीति की बात नहीं क[illegible] रही। मैं सामाजिक ध्रुवीकरण की बात कर रही हूं। क[illegible] बार लोग हटकर दिखने या बनने के लिए अपना पक्ष [illegible]खते हैं। बुनियादी तौर पर मेरा मानना है कि आप बिना आ[illegible]क्रामक और कठोर बने अपनी बात कह सकते हैं। [illegible]ने जब भी अपना पक्ष रखा है, उन सामने वाले के नजरिए को समझते हुए रखा है। मुझे कभी भी नैतिक या सिद्धांत[illegible]दी मुद्दों पर अपना पक्ष रखने का खामियाजा नहीं भुगत[illegible]ना पड़ा। मैंने कई लोगों से सुना है कि अपनी बात रखने पर उनके साथ उत्पीड़न हुआ, मगर मुझे कभी भी अप[illegible]नी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा। सभी जानते [illegible] कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। मैं इस वक्त उस [illegible]द्दे पर बात नहीं करना चाहती, मगर इतना जरूर कह[illegible] कि जब भी अपना मत रखती हूं, पब्लिसिटी या लोगों को तंग करने के लिए नहीं रखती।

वर्तमान में जीने में यकीन करती हूं

मिस[illegible] इंडिया का खिताब जीत चुकी गुल ऐक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमर्शल पायलट, बाइक राइडर भी हैं, राज[illegible]ीति में रुचि रखती हैं और महिला मुद्दों को लेकर एन[illegible]ीओ भी चलाती हैं। असल जिंदगी में वे मां भी हैं। उ[illegible]हें सबसे ज्यादा मजा किस काम में आता है? इस स[illegible]ल के जवाब में वे कहती हैं, मैं भले कई चीजों में माहि[illegible] हूं, मगर हमेशा उस पल में जीना पसंद करती हूं, जो उ[illegible] वक्त चल रहा होता है। आपको भले ये फलसफा लगेगा, मगर ये सच है कि इससे पहले जो हुआ, वह बीत चुका [illegible] और जो होने वाला है, वह हमें पता नहीं, मगर ये जो चल[illegible] रहा है, ये मेरी जिंदगी का अहम मोमेंट है। जब मैं बाइक [illegible]इड करती हूं, तो उसके मजे लेती हूं। जब घर पर होती हूं, तो वह पल मेरे लिए बहुत जरूरी होता है। मैं जब, जिस पल लोगों के साथ रहती हूं, उन्हें वक्त देती हूं, उन्हें प्रोत्साहित करती हूं और उस वक्त को अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी यादगार बनाती हूं।

मेरा किरदार मनोरमा सिक्स फीट अंडर से प्रभावित है

गुल पनाग ने ओटीटी पर द फैमिली मैन, रंगबाज फिर से, गुड बैड गर्ल, पाताल लोक सीजन वन और टू में काम किया है। अपनी नई वेब सीरीज में भूमिका के बारे में वह कहती हैं, सीजन वन में मेरी भूमिका अगर लोगो को पसंद आई, तो इसका श्रेय इसके क्रिएटर सुदीप शर्मा और अविनाश को जाता है। इस किरदार को लिखा काफी खूबसूरती से है। छोटा किरदार होने के बावजूद यह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहा। एक अभिनेत्री के रूप में मेरी खोज यही रहती है कि मैं ऐसे चरित्र निभाऊं, जो या तो मैंने पहले अनुभव नहीं किए हैं या फिर जो मैंने अपने आस-पास देखे नहीं हैं। रेनू जैसा किरदार मैंने कभी अदा नहीं किया था। गुल पनाग के रूप में मेरी जो छवि है, मेरा चरित्र उससे काफी अलग है। इस सीरीज को देखने वाले कई लोगों ने मेरी भूमिका देखा कर कहा, ओह, वह तुम थी! तो मेरी भूमिका ने उन्हें इस कदर चौंकाया। इससे थोड़ा मिलता-जुलता किरदार मैंने निभाया था, मनोरमा सिक्स फीट अंडर में। सुदीप उसी चरित्र से प्रभावित थे। मेरे लिए पाताल लोक मेरी जिंदगी और माइंड की वह जगह है, जहां आप दोबारा नहीं जाना चाहते। भगवान और शैतान दोनों ही हमारे भीतर होता है, मगर हम शैतान को नहीं देखना चाहते।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को हराकर मचाई तबाही, वनडे में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को राजकोट में इतिहास रच दिया है। टीम ने आयरलैंड को तीसरे और आखिरी वनडे में 304 रनों से करारी शिकस्त दी। महिला वनडे में भारत की रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2017 में टीम इंडिया ने आयरलैंडो को 249 रनों से हराकर वनडे की सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। वहीं टीम के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के पहले सैकड़े की मदद से आयरलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में पांच विकेट पर 435 रन बनाए। जो कि वनडे क्रिकेट में भारत का अब तक सर्वोच्च स्कोर है। वहीं इसके जवाब में आयरलैंड टीम 110 गेंद शेष रहते हुए ऑलआउट हो गई।

भारत के 435 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान गैबी लुईस को तितास साधु ने पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। क्रिस्टिना कुल्टर रीली को सायली सातघरे ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद सारा फोर्ब्स और ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 15वें अवर में तनुजा कंवर ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। सारा फोर्ब्स रन आउट हुई। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी, ली पॉल को आउट किया। आर्लीन केली, जॉर्जिना डेम्पसी रनआउट हुई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 27 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। तनुजा कंवर को दो विकेट मिले। तितास साधु, सायली सातघरे और मिन्नू मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कप्तान स्मृति ने सिर्फ 70 गेंद पर 135 रन बनाए, जो उनका 10वां वनडे शतक है। इस तरह भारतीय महिला टीम पहली बार 400 रन के आंकड़े को पार करने में सफर रही। इससे भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ एलीट सूची में शामिल होने में कामयाब रही। ये महिला वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चौथा सर्वोच्च स्कोर भी है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अगर मुक्केबाजी शामिल होती है तो मैं हिस्सा लूंगा: मुक्केबाज निशांत देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेशेवर सर्किट में प्रतिस्पर्धा करने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने के लिए तैयार भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि ओलंपिक पदक के लिए उनकी कोशिश खत्म हो जाएगी इसलिये अगर यह खेल 2028 लॉस एंजिलिस में बना रहता है तो वह इसमें शिरकत करेंगे।

निशांत ने पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मिली करीबी हार और ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण पेशेवर बनने का फैसला किया। हालांकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप में लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) में कांस्य पदक जीतने वाले इस मुक्केबाज ने एडी हर्न की 'मैचरूम बॉक्सिंग' से करार किया है।

उनकी पहली पेशेवर बाउट 25 जनवरी को लॉस एंजिलिस में होगी। देव लॉस एंजिलिस में पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स की देखरेख में अपना मुक्केबाजी कौशल निखार रहे हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस से कहा, 'मैं ओलंपिक में खेलने का अपना सपना पूरा करना चाहता था जो मैं कर चुका हूं। लेकिन अब मैं पेशेवर मुक्केबाजी में खेलने के अपने दूसरे सपने को पूरा करना चाहता हूं।'

देव को अब भी पेरिस ओलंपिक में मिली करीबी हार सालती है जिसमें वह मेक्सिको के मार्को वर्डे से विवादास्पद क्वार्टरफाइनल हार गये थे। उन्होंने कहा, 'मैं टूट गया था। इतने बड़े मंच पर इस तरह का झटका चुनौतीपूर्ण था।' ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य की अनिश्चितता इस निराशा को और भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, 'अभी तक मुक्केबाजी की ओलंपिक के लिए पुष्टि नहीं की गई है। मैं यह जानने के लिए तीन साल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि यह ओलंपिक में शामिल नहीं है। इसलिए इस समय का उपयोग मेरे पेशेवर मुक्केबाजी के सपने को पूरा करने में किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं अभी 24 साल का हूं और मुझे कहा गया है कि मैं इसके लिए बड़ा हूं। अगर मैंने विजेंदर सिंह या विकास कृष्ण की तरह देर से शुरुआत की होती तो मुझे इसका पछतावा होता क्योंकि इनके पेशेवर करियर का अंत इतना अच्छा नहीं रहा।' देव ने कहा, 'मैं बड़े सपने देखता हूं। मैं भारत का पहला पेशेवर विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं और सभी मुख्य बेल्ट जीतना चाहता हूं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद गंभीर के भविष्य पर फैसला करेगी बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर कोई फैसला कर सकती है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम का प्रदर्शन अच्छा नही रहा है। इसके साथ ही उनके टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मतभेद की भी खबरें हैं। माना जा रहा है गंभीर से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं जिससे ड्रेसिंग का माहौल भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पिछले साल जुलाई में गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारतीय टीम दस में से छह टेस्ट हारी है। उसे घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खराब रहा और टीम 3-1 से हार गयी। सीमित ओवरों की बात करें तो उसे श्रीलंका में एक द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। ये भी चर्चाएं हैं कि उनकी टीम के कप्तान रोहित शर्मा से नहीं बन रही।

वहीं बीसीसीआई से जुड़ी एक रिपोर्ट क अनुसार अगर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो गंभीर की स्थिति और भी कमजोर हो सकती है। उनका कोचिंग अनुबंध 2027 विश्व कप तक है पर उसकी समीक्षा जारी रहेगी। खेल में परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होते हैं और अगर वह नहीं मिलते तो गंभीर पर दबाव बढ़ता जाएगा, ऐस में अभी जो उन्हें टीम चयन में अधिकार मिले हैं वह कम हो जाएंगे। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की है। इसके अलावा टीम 'कल्चर के मामले पर भी गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों में मतभेद हैं। गंभीर सुपरस्टार कल्चर खत्म करना चाहते हैं जो इतने साल से चला आ रहा है। उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इससे कुछ खिलाड़ी नाराज है। दूसरी ओर सीनियर खिलाड़ियों का मानना है कि कोच की ओर से संवाद की कमी है। इन सबके बीच राष्ट्रीय चयन समिति का भी नजरिया है जो नहीं चाहती कि चयन मामलों में कोच ज्यादा हस्तपेक्ष करें। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी इस बात से भी नाराज है कि गंभीर का निजी सहायक ऑस्ट्रेलिया में हर जगह टीम के साथ रहा। उन्होंने कहा, 'उसका पीए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की कार में क्या कर रहा था।

अश्विन ने कहा , क्रिएटिविटी खोने के कारण लिया संन्यास

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही अचानक संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया था। अब अश्विन ने इसको लेकर अब अपनी बात रखी है। अश्विन के इस फैसले के लिए ड्रेसिंग रूम में तनाव और टीम प्रबंधन के साथ मतभेद को जिम्मेदार माना जा रहा था। वहीं अब अश्विन ने कहा कि यह एक सहज निर्णय था क्योंकि उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी खो दी थी.

अश्विन ने कहा, ÷मैंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट नहीं खेला। वहीं दूसरा खेला, तीसरा नहीं खेला। ऐसे में हो सकता था कि मुझे अगला मुकाबला खेलने का अवसर मिले या नहीं। वहीं इस दौरान मैं अपनी क्रिएटिविटी तलाशने का प्रयास रहा था। उस समय, मुझे लगा कि मेरी क्रिएटिविटी खत्म हो गई है, तो वह खत्म हो गई, बस सही है, इसी कारण मैंने अलविदा कहने का फैसला किया।÷ अश्विन ने कहा कि वह विदाई टेस्ट जैसा कुछ नहीं चाहते थे। साथ ही कहा कि वह अभी भी खेल सकत थे क्योंकि उनके अंदर क्रिकेट बचा था पर उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्होंने इस तब छोड़ा जब लोग उनके फैसले पर सवाल उठा रहे थे ना कि उन्हें संन्यास लेने के लिए कह रहे थे। अश्विन ने साथ ही कहा, ÷इससे क्या प्रभाव पड़ता अगर मैं गेंद के साथ बाहर आता और लोग तालियां बजाते? लोग कितने समय तक इसके बारे में बात करेंगे? जब सोशल मीडिया नहीं था, लोग इसके बारे में बात करते थे और एक हफ्ते बाद भूल जाते थे. विदाई की कोई जरूरत नहीं है। खेल ने हमें बहुत कुछ दिया है और हमने बहुत खुशी के साथ खेला है. 'मैं और क्रिकेट खेलना चाहता हूं पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं थी। मैं खेल के प्रति ईमानदार रहना चाहता हूं। मैं विदाई टेस्ट खेलना चाहता हूं पर मैं टीम में जगह के योग्य नहीं हूं तो क्या फायदा। मैं केवल विदाई टेस्ट के कारण टीम में नहीं रहना चाहता।

शिवम को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के आकाश चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में ऑलराउंडर शिवम दुबे को जगह नहीं मिलने पर हैरानी जताई है। आकाश ने कहा कि शिवम पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप विजेता टीम में शामिल थे पर इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनकी जगह टीम प्रबंधन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह दी है। नीतीश ने हाल में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। चोपड़ा ने कहा, शिवम के अलावा रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार को भी टीम में जगह नहीं मिली। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में गायकवाड़ और पाटीदार के लिए जगह नहीं बन रही थी पर शिवम को ऑलराउंडर के र प में जगह मिलनी ही चाहिये थी। शिवम ने आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त खेल ि खाया था। फाइनल में शिवम ने 16 गेंद में 27 रन बनाये थे। चोपड़ा ने कहा, जब आप जीतते हैं तो हर किसी को श्रेय मिलना चाहिए उन्होंने फाइनल में भी अच्छा खेला। इससे पहले निश्चित रूप से वह अच्छी फील्डिंग या बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे। आकाश ने कहा, ज किसी खिलाड़ी को आईसीसी टी20 विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में चुना जाता है तो उसके बाद ऐसे खिलाड़ी को कम से एक या दो साल त लगातार मौका मिलना चाहिए। टी20 विश्व कप के बाद उन्हें जिम्बाब्वे और श्रीलंका दौरे पर जगह मिली थी पर दक्षिण अफ्रीका दौरे ा बाहर कर दिया गया था।

डीडीसीए सचिव ने कहा विराट दिल्ली से रणजी ट्रॉफी में खेलें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले एक दशक से घरेलू क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। इसी को देखते हुए दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने की सलाह दी है। डीडीसीए सचिव ने कहा कि हमने विराट का नाम संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। साथ ही कहा कि पिछली बार जब उन्होंने दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेला था तब गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी भी खेलते थे। वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम के साथ खेलने तैयार हैं। अशोक ने कोहली से आग्रह किया कि वे मुंबई के खिलाड़ियों की तरह ही खेलने का फैसला लें। कोहली के अलावा ऋषभ पंत को भी रणजी ट्रॉफी के अंतिम दो राउंड के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाक जाएंगे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाकिस्तान जा सकते हैं हालांकि भारतीय टीम पाक का दौरा नहीं करेगी और अपने मैच दुबई में खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य उद्घाटन समारोह 16 या 17 फरवरी को आयोजित कर सकती है। इस समारोह में सभी टीमों के कप्तान भाग लेंगे। इस दौरान सभी कप्तान एकसाथ तस्वीर भी खिंचाएंगे। ये आईसीसी की टूर्नामेंट की परंपरा का हिस्सा है। पीसीबी ने 29 साल के बाद पाकिस्तान में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन की वापसी के लिए भव्य समारोह की योजना बनाई है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी मेजबान के रूप में पाकिस्तान का पहला प्रमुख ICC टूर्नामेंट होगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भारत और श्रीलंका के साथ 1996 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप की सह-मेजबानी की थी। चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट हाइब्रिड प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें पाक अधिकतर मैचों की मेजबानी करेगा, केवल भारत के सभी ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। अगर भारतीय टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है तो इसे भी दुबई में स्थानांतरित कर दिया जाएगा; अन्यथा, लाहौर में मुकाबले खेले जाएंगे। आठ टीमों के इस आयोजन में मेजबान पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होने वाले मैच से होगी।

नोवाक जोकोविच ने बनाया सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेल ने का नया रिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया जबकि नाओमी ओसाका पिछले तीन साल में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंची। जोकोविच चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में 430 मैच खेल चुके हैं जो नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में रोजर फेडरर (429) की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच अब ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में 379 मैच जीत चुके हैं जबकि 51 मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट हमारे खेल के मजबूत स्तंभ हैं। इस खेल के इतिहास में वह बहुत मायने रखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि आज एक और रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा।'

पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योशिहितो निशिओका पर 6-0, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। महिला एकल में दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन ओसाका 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं। उन्होंने अमेरिकी ओपन की सेमीफाइनलिस्ट कोरोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से जीत हासिल की। ओसाका ने इस तरह से पिछले साल अमेरिकी ओपन में मुचोवा से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

इस बीच विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक चैंपियन और पिछले साल की उप विजेता झेंग किनवेन को सीधे सेटों में पराजित करके बड़ा उलटफेर किया। झेंग पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थी लेकिन इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था तथा वह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उपविजेता रही थी। लेकिन साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उन्हें 36 वर्षीय सीगमंड से 7-6 (3), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इस दौरान चेयर अंपायर ने समय बर्बाद करने को लेकर झेंग को चेतावनी भी दी। झेंग ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आज मेरा दिन नहीं था। मैं महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल करने में नाकाम रही। टाइम कंट्रोल को लेकर चेतावनी मिलने से भी मेरी एकाग्रता भंग हुई।'

पिछले दो बार की चैंपियन सबालेंका ने आखिरी पांच गेम जीतकर विश्व में 54वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौजास मनेइरो को 6-3, 7-5 से हराकर लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। वह इस टूर्नामेंट में लगातार 16 मैच जीत चुकी हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में 14वीं वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने मोयुका उचिजिमा को 6-4, 3-6, 7-6(8) से हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अकरम ने किया 'सफेद जैकेट का अनावरण, विजेताओं को सम्मान के तौर पर दी जाएगी

दुबई । अगले माह पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मान के तौर पर एक सफेद जैकेट दी जाएगी। इस सफेद जैकेट का अनावरण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने किया है। एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है पर इसमें भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में होंगे। आईसीसी ने अकरम की मौजूदगी के साथ एक प्रोमो वीडियो जारी किया जिसमें इस 'सफेद जैकेट को तैयार होते दिखाया जा रहा है। इस वीडियो में अकरम दुनिया भर के प्रशंसकों से 'चैम्पियंस की यात्रा में शामिल होने के लिए कहते हैं। टूर्नामेंट में शीर्ष आठ टीमों के बीच 19 फरवरी से नौ मार्च के बीच कुल 15 मैच खेले जायेंगे। इस दौरान टीमें चैम्पियंस ट्रॉफी के खिताब के साथ ही इस प्रतिष्ठित सफेद जैकेट के लिए भी टीमों के बीच मुकाबले होंगे। इस वीडियो में इस जैकेट को प्रतिभा की निरंतर खोज और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली विरासत बताया गया है। वीडियो में अकरम ने कहा कि इस सफेद जैकेट को हासिल करना जीत के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने की यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने यहां कहा कि आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ में से भी सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करती है। इस सफेद जैकेट का अनावरण महानता का प्रतीक है। यह अब जैकेट वैश्विक क्रिकेट समुदाय में इस आयोजन के प्रति उत्साह बढ़ाएगा। इस ट्रॉफी को सबसे मजबूत टीम जीतेगी।

लॉस एंजीलिस ओलंपिक तक खेलना चाहती है स वेता पूनिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने कहा है कि अभी वह खेलन जारी रखेंगी। करीब 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी 34 वर्ष की सविता ने कहा कि अभी उनका संन्यास लेने का इरादा नहीं है और वह लॉस एंजीलिस ओलंपिक 2028 खेलना चाहती है। अबर वह फिट रहीं तो खेल का आनंद लेती रहेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं अगला ओलंपिक खेलना चाहती हूं। मेरे माता पित ने हमेशा मेरे फैसलों का समर्थन किया और अब शादी के बाद सास ससुर और पति भी मेरा पूरा साथ दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अभी उनक ध्यान 202 विश्व कप और एशियाई खेलों पर है। दोनों परिवारों ने मुझसे कहा है कि अगर मैं ओलंपिक खेलना चाहती हूं तो वे मेरे साथ है। । वहीं सविता ने कहा वि महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के शुरु होने का सबसे बड़ा लाभ ये रहेगा कि जूनियर खिलाड़ियों को आर्थिक लाभ होगा जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाएं सामने आयेंगी। महिला एचआईएल का पहला सत्र 26 जनवरी तक खेला जाएगा। सविता ने कहा, 'हर खिलाड़ी आर्थिक स्थिरता चाहता है जिससे वह परिवार की सहायता कर सके। हम लंबे समय से राष्ट्रीय टीम में हैं और जब भी हम पदक जीतते हैं तो सरकार हमें पुरस्कार देती है। उन होंने कहा, 'लेकिन जब एक जूनियर खिलाड़ी को इतना पैसा मिलता है तो उसे किसी तरह का वित्तीय तनाव नहीं रहता। वह अपने खेल पर ध्यान दे सकती है। इससे अभिभावक भी अब निश्चिंत हो जाते हैं कि हॉकी में भविष्य है और बच्चे इसमें करियर बना सकते हैं।

अपने करियर में एक बार भी शून्य पर आउट नहीं हुए कैप्लर वेसल्स

मुम्बई । विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक बल्लेबाज हुए हैं। जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमेन, भारत के सचिन तेंदुलकर , वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा , पाकिस्तान के जहीर अब्बास सहित कई अन्य दिग्गज भी हैं पर इनमें से कोई भी ऐसा नहीं है जो पहले करियर में शून्य पर आउट न हुआ हो। विश्व क्रिकेट में केवल दक्षिण अफ्रीका के कैप्लर वेसल्स ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो कभी भी अपने करियर में शून्य पर आउट नहीं हुए जबकि उन्होंने दो देशों से खेला। कैप्लर वेसल्स ने 11 साल के अपने करियर में 109 मैच खेले पर कभी भी शून्य पर आउट नहीं हुए। वेसल्स ने दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध के दौर में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 1983 में पहला एकदिवसीय मैच खेला। वह साल 1983 से 1985 तक ऑस्ट्रेलिया की टीम से खेलते रहे। वहीं साल 1985 में उन्हें बाहर कर दिया गया। इसके कुछ साल बाद दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया जिसके बाद वह स्वदेश लौट गये। वेसल्स ने 1991 से दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलना शुरु किया। साल 1994 में जब उन्होंने संन्यास लिया तब तक उन्होंने 109 एकदिवसीय मैचों की 105 पारियों में 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और 26 अर्धशतक शामिल थे पर वह एक बार भी खाता खोल बिना पेवेलियन नहीं लौटे। वेसल्स के अलावा आज विश्व में एक भी ऐसा बैटर नहीं है, जिसने एकदिवसीय मैचों में बिना 0 पर आउट हुए 2000 रन बनाए हो। वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने 0 पर आउट हुए बिना 42 एकदिवसीय मैचों की 37 पारियों में 1651 रन बनाये थे। अब देखना है कि मिचेल वेसल्स का रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं या नहीं।

पहलवान अमन सेहरावत के ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ा, आईओसी से करेंगे शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 पेरिस ओलंपिक के सभी दोषपूर्ण पदकों को बदलने की खबरों के बीच भारतीय पहलवान अमन सेहरावत के कांस्य पदक का रंग भी फीका पड़ने लगा है, लेकिन पहलवान ने अभी तक इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पेरिस 2024 में अपने ओलंपिक पदार्पण पर अमन ग्रीष्मकालीन खेलों में सबसे कम उम्र के भारतीय पदक विजेता बने, जब उन्होंने पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता।

रिपोर्टों के अनुसार 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि वह पदकों के खराब होने की कई शिकायतों के बाद एथलीटों के अनुरोध पर सभी क्षतिग्रस्त पदकों को बदल देगी। हालांकि अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'अमन सेहरावत ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है। हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है।'

फ्रांसीसी वेबसाइट ला लेट्रे की जानकारी के अनुसार, केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक दोषपूर्ण पदक लौटाए जा चुके हैं। प्रत्येक पेरिस 2024 पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक- एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था।

प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल ग्रीष्मकालीन खेलों के समापन के तुरंत बाद विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया पर यह साझा किया कि उनके द्वारा जीते गए पदक पहले से ही अपनी चमक खोने लगे हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पेरिस के आयोजक उन एथलीटों की समितियों के संपर्क में हैं जिन्होंने शिकायत दर्ज की है और प्रतिस्थापन यह प्रक्रिया आने वाले सप्ताहों में शुरू होगी।

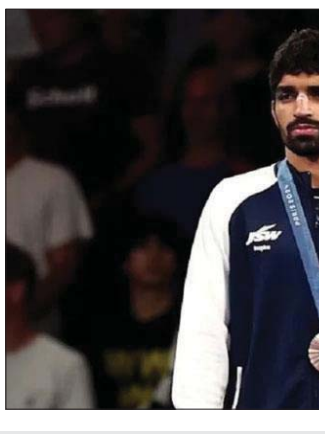

संक्षिप्त समाचार

चाड के राष्ट्रपति डेबी की पार्टी ने संसदीय चुनाव में दर्ज किया बहुमत, विपक्ष ने चुनाव पर उठाए थे सवाल

एनजामेना, एजेंसी। चाड से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रपति महामत इदरीस डेबी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ पैट्रियोटिक साल्वेशन मूवमेंट (पीएसएम) ने दिसंबर में हुए संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के प्रमुख अहमद बार्टचिरेट द्वारा शनिवार को घोषित अस्थायी परिणामों के अनुसार, पीएसएम ने नेशनल असेंबली की 188 में से 124 सीटें जीती हैं। बता दें कि इन चुनावों का बहिष्कार मुख्य विपक्षी दलों ने किया था और इनमें 51.56 प्रतिशत मतदान हुआ। विपक्षी दलों ने इस चुनाव की वैधता पर सवाल उठाए और इसे ढोंग करार दिया। यह चुनाव चाड में एक दशक से अधिक समय में पहला संसदीय चुनाव था, जिसमें नगरपालिका और क्षेत्रीय वोट भी शामिल थे। गौरतलब है कि चाड में हुए इस सांसदीय चुनाव के दौरान कई सारी सुरक्षा समस्याओं का सामना कर रहा था। इसमें जिनमें बोको हराम आतंकवादी समूह का खतरा और फ्रांस के साथ सैन्य सहयोग पर तनाव शामिल था। साथ ही हाल ही में चाड ने फ्रांस के साथ सैन्य संबंध तोड़े और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया। इस हफ्ते, चाड की सुरक्षा बलों ने राष्ट्रपति पर हमले को भी नाकाम किया, जिसे सरकार ने अस्थिरता का प्रयास बताया।

रूस के लिए लड़ते उ कोरियाई सैनिकों को यूक्रेन ने बना लिया बंदी, शर्त पर रिहा करेंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच बीते तीन साल से जारी जंग में उत्तर कोरियाई सैनिकों की एंट्री के बाद से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। जंग में किम जोंग-उन के लगभग 300 सैनिकों के मारे जाने की खबर है। इस बीच शनिवार को यूक्रेनी सैनिकों ने नॉर्थ कोरिया के कुछ सैनिकों को बंदी बना लिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि इन सैनिकों को रिहा करने के लिए तैयार हैं। हालांकि इसके लिए उन्होंने एक शर्त रखी है। जेलेंस्की ने कहा है कि वह रूस में कैद यूक्रेनी बंदियों की वापसी के बदले में उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्योंगयांग को सौंपने के लिए तैयार हैं। इससे पहले दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी ने शनिवार को पुष्टि की कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई सैनिकों को बंधक बना लिया है। यूक्रेन ने शनिवार को बताया कि ये सैनिक रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के सैनिकों से लड़ते हुए घायल हो गए थे। वहीं रविवार को यूक्रेन ने बताया, यूक्रेनी सेना ने 9 जनवरी को रूस के कुर्स्क युद्धक्षेत्र में दो उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़ा है। जेलेंस्की ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगर वह रूस में बंदी बनाए गए हमारे सैनिकों की रिहाई की घोषणा सकते हैं तो यूक्रेन किम जोंग उन के सैनिकों को उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा है कि हो सकता है कि यूक्रेनी सैनिकों ने और भी कैदियों को बंधन बनाया हो। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पिछले महीने दावा किया था कि लगभग 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए लड़ते हुए मारे गए या घायल हुए हैं। गौरतलब है कि यूक्रेन, अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने परमाणु-सशस्त्र उत्तर कोरिया पर रूसी सेना की मदद करने के लिए 10,000 से अधिक सैनिक भेजने का आरोप लगाया है। वहीं रूस और उत्तर कोरिया ने आधिकारिक तौर पर कभी इस खबर पर मुहर नहीं लगाई है। हालांकि 2022 में यूक्रेन और रूस के बीच शुरू हुई जंग के बाद से इन दोनों देशों की नजदीकियां बढ़ी हैं।

बलूचिस्तान में एक सप्ताह में दूसरी बार ढही कोयला खदान, दो श्रमिकों की मौत, छह बचाए गए; जांच शुरू

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक अन्य कोयला खदान ढहने से दो श्रमिकों की मौत हो गई। जबकि छह श्रमिकों को बचा लिया गया। इस इलाके में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार खदान ढहने की घटना हुई है। रविवार को हरनाई जिले के खोस्त इलाके में एक कोयला खदान में दरारें आ गईं। खदान का एक हिस्सा धंस गया। इस वक्त खदान में आठ श्रमिक काम कर रहे थे। खदान ढहने के तुरंत बाद छह श्रमिकों को बचा लिया गया। जबकि दो श्रमिक अंदर फंसे रह गए। बाद में उनके शव बरामद किए गए। खान और खनिज विभाग ने खदान को बंद कर दिया है और घटना की जांच के आदेश दिए हैं। नौ जनवरी को बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर संजदी इलाके में कोयला खदान में विस्फोट हुआ था। विस्फोट से खदान ढह गई और उसमें 12 श्रमिक फंस गए थे। बाद में यहां से 11 श्रमिकों के शव बरामद किए गए थे। जबकि एक श्रमिक लापता है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया था कि खदान में मीथेन गैस के जमा होने से विस्फोट हुआ। प्रांत के खनन विभाग के प्रमुख अब्दुल्ला शावानी ने कहा कि खदान निजी तौर पर संचालित है और यह पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि विस्फोट क्यों हुआ और क्या खनन के लिए उचित नियमों का पालन किया गया या नहीं।

लॉस एंजिलिस के जंगलों में आग से भीषण तबाही, 24 लोगों की मौत, 12 हजार इमारतें जलकर खाक

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। लॉस एंजिलिस और उसके आसपास धधक रही जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। एबीसी न्यूज ने काउंटी ऑफ लॉस एंजिल्स डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल एग्जामिनर के हवाले से यह खबर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पहले कहा था कि लॉस एंजिल्स की आग से मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि कई लोग लापता हैं। कैलिफोर्निया में मंगलवार से कई बार जंगल की आग लगी है, जिसके कारण हजारों लोगों को पलायन करना पड़ा है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग ने कैलिफोर्निया में लगी विनाशकारी जंगल की आग में से एक, केनेथ फायर को शुरू करने वाली आगजनी के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। इस बीच, मौसम विज्ञानियों ने इस सप्ताह फिर से तेज हवाएं चलने की वजह से आग के और विकराल रूप लेने की चेतावनी दी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बुधवार तक भीषण आग की स्थिति के लिए उच्च श्रेणी की चेतावनी जारी की है। इलाके में 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और पहाड़ों में यह गति 113 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है। मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी रिच थॉम्पसन ने कहा कि मंगलवार का दिन अधिक भयावह होगा। दमकल कर्मियों ने फिर से तेज हवाएं चलने की आशंका को देखते हुए आग को काबू करने के प्रयास और तेज कर दिए हैं। दमकल कर्मी प्रयास कर रहे हैं कि आग विश्व प्रसिद्ध जे. पॉल गेटी संग्रहालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय तक न फैले।

आग प्रभावित इलाकों में चल रहीं हवाएं : मैन्डेविल कैनयन में आग बुझाने के लिए पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं। पैसिफिक कोस्ट के निकट स्थित मैन्डेविल कैनयन में प्रसिद्ध अभिनेता अर्नोल्ड श्वार्जनेगर समेत कई हस्तियों के घर हैं। फिलहाल आग प्रभावित इलाकों में हल्की हवाएं चल रही हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने चेतावनी दी कि दकमल कर्मियों के लिए मुश्किलें खड़ी करने वालीं तेज सेंटा ऐना हवाएं जल्द ही लौट सकती हैं। बताया जा रहा है कि इन हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही है, जिसने लॉस एंजिलिस व आसपास के पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेकर नष्ट कर दिया है। लॉस एंजिलिस में 8 महीनों से अधिक समय से कोई खास बारिश नहीं हुई है। आग के कारण अंतरराज्यीय राजमार्ग 405 पर भी खतरा मंडरा रहा है, जो इस क्षेत्र से होकर गुजरने वाला मुख्य यातायात मार्ग है।

करीब 145 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र आग की चपेट में : लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने बताया कि विनाश को रोकने का काम शनिवार को भी जारी रहा। टीमें शवों को खोजने वाले श्वानों की मदद से खोजी अभियान चला रही हैं। लूना ने बताया कि पासाडेना में एक परिवार सहायता केंद्र भी स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने निवासियों से कर्फ्यू का पालन करने का आग्रह किया। आग ने करीब 145 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। हजारों लोगों को अब भी आग प्रभावित इलाकों को खाली करने के आदेश दिए गए हैं। शहर के उत्तर में घनी आबादी वाले 40 किलोमीटर के क्षेत्र में लगी आग ने 12,000 से ज्यादा इमारतों को जलाकर राख कर दिया है, जिसमें घर, अपार्टमेंट इमारतें, व्यवसायिक इमारतें आदि शामिल हैं। हालांकि, अब तक आग लगने का मुख्य कारण नहीं पता चल पाया है। शुरुआती अनुमानों के अनुसार यह संपत्ति के नुकसान के लिहाज से सबसे बड़ी आग है। एक्यूवेदर के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार अब तक 135 अरब अमेरिकी डॉलर से लेकर 150 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच नुकसान हो चुका है। रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस में लगी आग से अब तक करीब 11.60 लाख करोड़ से लेकर 13 लाख करोड़ रुपए (135-150 बिलियन डॉलर) के नुकसान की आशंका है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू किया गया है। लोगों से मास्क पहने रहने की अपील की गई है। आग से निपटने में अमेरिका की मदद के लिए मेक्सिको से फायरफाइटर्स पहुंचे हैं। दूसरी ओर लॉस एंजिलिस पुलिस के मुताबिक ब्रेटनवुड स्थित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के घर में चोरी की कोशिश की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में इन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस का कहना था कि उसके पास इस बात के कोई सबूत नहीं है कि ये दोनों लोग चोरी की नीयत से ही वहां मौजूद थे। लॉस एंजिलिस के वाटर डिपार्टमेंट के मुताबिक आग लगने से पहले तक कैलिफोर्निया के सभी वाटर हाइड्रेंट पूरी तरह से चालू थे। आग बुझाने के लिए पानी की अधिक मांग के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ा और पानी के स्तर में गिरावट आई।

ब्रिटिश मंत्री ने की चैटजीपीटी की वकालत, कहा- बच्चों को होमवर्क में मदद के लिए उपयोग की अनुमति मिले

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन तेजी से एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और चैटजीपीटी को अपना रहा है। ब्रिटेन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पीटर काइल ने कहा कि बच्चों को होमवर्क में मदद करने के लिए चैटजीपीटी के उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए। ब्रिटेन एआई के भविष्य को लेकर रूपरेखा तय कर रहा है। एक इंटरव्यू में यूके के मंत्री काइल ने कहा कि अगर सही तरीके और सही निगरानी में चैटजीपीटी का उपयोग किया जाता है तो इसे बच्चों के होमवर्क में मदद करने की अनुमति देने से कोई हर्ज नहीं है। चैटजीपीटी और एआई जिस तकनीकी भाषा का उपयोग कर रही है, वह पहले से ही अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे कैलकुलेटर के बारे में बातचीत याद है। हमें यह तय करना होगा कि बच्चे और युवा इस तकनीक का उपयोग सीखें और इसे सीखने के विकास में शामिल करें। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी का उपयोग बच्चों के दिमाग की गति को तेज कर सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ बच्चे असाधारण प्रतिभा वाले होते हैं। चैटजीपीटी और एआई का प्रयोग करके उनमें ऊर्जा का संचार किया जा सकता है।

क्या है चैटजीपीटी : चैटजीपीटी एक ऑनलाइन एआई-संचालित भाषा मॉडल (एलएलएम) है। यह चैटबॉट के साथ मानव जैसी बातचीत करने और बहुत कुछ करने में सक्षम है। पिछले कुछ वर्षों में एआई चैटबॉट ने स्कूलों और कॉलेजों में सीखने की संरचना के बारे में सवाल उठाए हैं जहां अधिक से अधिक छात्र केवल होमवर्क पूरा करने और परीक्षा पास करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों पर निर्भर हैं। हाल ही में ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की पार्टी की सरकार ने एआई कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। स्टार्मर सरकार का मानना है कि अगर एआई को पूरी तरह से अपनाया जाता है तो यह हर साल 47 बिलियन पाउंड का अर्थव्यवस्था में निवेश कर सकती है। साथ ही अगर निजी क्षेत्र ने इसमें 14 बिलियन पाउंड का निवेश किया तो इससे करीब 13 हजार नई नौकरियां पैदा होंगी।

इमरान खान ने 9 मई के दंगे से जुड़े मामलों में जमानत के लिए लाहौर उच्च न्यायालय का रुख किया

लाहौर, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने नौ मई 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में गिरफ्तारी के बाद जमानत की मांग करते हुए लाहौर उच्च न्यायालय का रुख किया है। इन मामलों में एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के आवास पर हमला भी शामिल है। लाहौर उच्च न्यायालय के समक्ष शनिवार को अलग-अलग जमानत याचिकाएं दायर की गईं। पिछले साल नवंबर में लाहौर की आतंकवाद निरोधक अदालत ने इन मामलों में खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था। खान (72) ने अपनी याचिकाओं में तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष उनकी गिरफ्तारी के बाद नौ मई को हुई हिंसा में उनकी संलिप्तता साबित करने में विफल रहा है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से 9 मई 2023 को अर्धसैनिक रेंजर्स द्वारा खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई बिल्डिंग समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी हमला किया था। खान ने कहा कि नौ मई के मामलों में केवल राजनीतिक कारणों से उन्हें परेशान करने और अपमानित करने की एक सुनियोजित साजिश के परिणामस्वरूप फंसाया गया।

शेख हसीना की भतीजी को लेकर दबाव में ब्रिटिश पीएम, मंत्री पद से हटाने की मांग

ढाका, एजेंसी। ब्रिटेन में श्रम मंत्री और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक को लेकर सियासत तेज हो गई है। खबर है कि ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर पर सिद्दीक को हटाने का दबाव डाला जा रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ब्रिटेन की उन संपत्तियों पर सवाल उठा रहा है, जो कथित तौर पर मुल्क की पूर्व सरकार ने सिद्दीक को कथित तौर पर गिफ्ट की हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लंदन की जिन संपत्तियों में सिद्दीक रहती हैं, वो उन्हें आवामी लीग की तरफ से गिफ्ट की गई हैं। हालांकि, खुद सिद्दीक का कहना है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। खास बात है कि वह ट्रेजरी में आर्थिक सचिव हैं और उनपर ब्रिटेन के आर्थिक बाजार में भ्रष्टाचार को रोकने की भी जिम्मेदारी है। यूनुस ने संकेत दिया है कि सिद्दीक ने अपनी मौसी शेख हसीना के बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान अवैध तरीके से ये संपत्तियां अर्जित की होंगी 'टाइम्स' अखबार को दिए एक साक्षात्कार में यूनुस ने सिद्दीक और उनके परिवार को उनकी मौसी के अपदस्थ सरकार के सहयोगियों द्वार उपहार में दी गई संपत्तियों के उपयोग की निंदा की। उन्होंने मांग की कि यदि यह पाया जाता है कि उन्हें स्पष्ट लाभ मिला है तो उनकी संपत्ति बांग्लादेश को वापस कर दी जाए यूनुस ने कहा, यह साफ तौर पर डकैती है। उन्होंने पिछली सरकार पर धोखाधड़ी के जरिये धन की हेराफेरी करने का आरोप लगाया, जिसक

देश पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है। यूनुस के साक्षात्कार को प्रकाशित करने के एक दिन बाद, ब्रिटिश अखबार ने रविवार को एक और खबर छापी, जिसका शीर्षक था बांग्लादेशी नेता की फटकार के बाद (ब्रिटेन के) प्रधानमंत्री से ट्यूलिप सिद्दीक को बर्खास्त करने का आग्रह। इसमें कहा गया है कि भ्रष्टाचार-निरोधक मंत्री को इस्तीफा देने के लिए दबाव का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि बांग्लादेश के नेता ने पूर्व शासन द्वारा उन्हें और उनके परिवार को उपहार में दी गई संपत्तियों के उपयोग की निंदा की है। संडे टाइम्स के अनुसार, 42-वर्षीय सिद्दीक से जुड़े घोटाले पर यूनुस की टिप्पणी से उन पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ जाएगा, हालांकि ऐसी भी खबरें हैं कि डाउनिंग स्ट्रीट पहले से ही उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की तलाश कर रहा है। यूनुस का हस्तक्षेप तब आया जब संडे टाइम्स की जांच में पाया गया कि सिद्दीक ने कई वर्षों तक हैम्पस्टेड की एक संपत्ति में रहते हुए समय बिताया, जिसे पनामा पेपर्स में नामित एक ऑफशोर कंपनी (विदेशी स्वामित्व वाली कंपनी) ने खरीदा था और जिसका संबंध दो बांग्लादेशी व्यापारियों से था। टाइम्स को दिए गए साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि यह एक विडंबना है कि सिद्दीक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। यूनुस ने एक हालिया आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें पाया गया कि अवामी लीग शासन से जुड़े लोगों ने बांग्लादेश से प्रति वर्ष अरबों डॉलर बाहर भेजे, जिनमें से कुछ धन का उपयोग विदेशों में संपत्ति सहित अन्य परिसंपत्तियों की खरीद में किया गया।

एनडीपी नेता जगमीत सिंह की ट्रंप को चेतावनी, कहा- कनाडा बिक्री के लिए नहीं, न अभी और न आगे कभी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह ने कड़ी चेतावनी दी है। जगमीत सिंह ने एक्स पर एक वीडियो में कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के लिए मेरे पास एक संदेश है। हमारा देश कनाडा बिक्री के लिए नहीं है। न अभी और न ही आगे कभी। हम अच्छे पड़ोसी हैं। अगर आप कनाडा के साथ लड़ना चाहते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी होगी। एक्स पर वीडियो में एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने कहा कि कनाडाई लोगों को अपने देश पर गर्व है। वे इसकी रक्षा के लिए जी जान से लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस में लगी आग में कनाडा की ओर से मदद करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि जब जंगल की आग अमेरिका के घरों को तबाह कर रही है तो कनाडा के अग्निशमन दल पहुंच गए हैं। हम ऐसे ही हैं और हम अपने पड़ोसियों का समर्थन करते हैं। जगमीत सिंह ने कहा कि अगर अमेरिका कनाडा पर टैरिफ लगाता है हम जवाबी कार्रवाई करेंगे। अगर डोनाल्ड ट्रंप सोचते हैं कि आप हमसे लड़ाई कर सकते हैं, तो इसकी कीमत चुकानी होगी। अगर डोनाल्ड ट्रंप हम पर टैरिफ लगाते हैं, तो हमें भी उसी तरह जवाबी टैरिफ लगाना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां स्टेट बनाने का मन बना चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर दो नक्शे साझा किए। एक नक्शे में उन्होंने कनाडा को अमेरिका में दिखाया, दूसरे में उन्होंने कनाडा को लेकर अपने इरादे जाहिर किए। ट्रंप ने कहा था कि वह कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध लगाएंगे। सेना के इस्तेमाल पर ट्रंप ने कह सैन्य बल की जरूरत नहीं, हम कनाडा प आर्थिक प्रतिबंध लगाएंगे। कनाडा क सुरक्षा पर अमेरिका प्रति वर्ष 200 अरब डॉलर बेवजह खर्च कर रहा है।

ट्रंप ने कहा था कि अगर कनाड अमेरिका में विलय करता है, तो वहां कोई टैरिफ नहीं होगा, कर कम हो जाएंगे और वे रूसी-चीनी जहाजों के खतरे से सुरक्षित रहेंगे, जो लगातार उन्हें घेरे रहते हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा में बहुत से लोग 51वें राज्य होने का लुत्फ उठाएंगे।

बाइडन ने तालिबान की कैद में मौजूद अमेरिकी नागरिकों के रिश्तेदारों से बात की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन तीन अमेरिकी नागरिकों के रिश्तेदारों से बात की, जिन्हें अफगानिस्तान में तालिबान ने बंधक बना रखा है। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने कहा कि उन्हें वापस लाने के लिए कोई समझौता नहीं हो पाया है। रेयान कॉर्बेट, जॉर्ज ग्लेजमैन और महमूद हबीबी के परिवार के सदस्यों के साथ बाइडन की बातचीत उनके प्रशासन के अंतिम दिनों में हुई है। अधिकारी बंधकों की रिहाई को लेकर एक समझौते पर बातचीत की कोशिश कर रहे हैं, जिसके तहत अमेरिका के ग्वांतानामो बे में बंद अफगानिस्तान के शेष बंदियों में से एक मोहम्मद रहीम के बदले इन अमेरिकियों को स्वदेश वापस लाया जा सके। कॉर्बेट 2021 में अमेरिका समर्थित अफगानिस्तान सरकार के पतन के समय अपने परिवार के साथ अफगानिस्तान में रह रहे थे। अगस्त 2022 में एक व्यापारिक यात्रा के दौरान तालिबान ने उनका अपहरण कर लिया था और अटलांटा के एक एयरलाइन मैकेनिक ग्लेजमैन को तालिबान की खुफिया सेवाओं ने दिसंबर 2022 में देश से यात्रा करते समय अगवा कर लिया था। अधिकारियों का मानना है कि तालिबान ने अब भी दोनों पुरुषों के साथ-साथ हबीबी को भी बंधक बना रखा है। हबीबी एक अफगान अमेरिकी व्यवसायी है जो काबुल स्थित एक

दूरसंचार कंपनी के लिए ठेकेदार के रूप में काम करते थे और 2022 में लापता हो गए। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि हबीबी और उनके चालक को कंपनी के 29 अन्य कर्मचारियों के साथ ले जाया गया था, लेकिन हबीबी तथा एक अन्य व्यक्ति को छोड़कर सभी को रिहा कर दिया गया। तालिबान ने हबीबी के उनके पास होने से इनकार किया है, जिससे अमेरिकी सरकार के साथ वार्ता और समझौते को अंतिम रूप देने की संभावना जटिल हो गई है। हबीबी के भाई अहमद हबीबी के एक बयान के अनुसार, फोन पर बाइडन ने बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों से कहा कि उनका प्रशासन रहीम को तब तक नहीं छोड़ेगा, जब तक तालिबान हबीबी को रिहा नहीं कर देता। रहीम को 2008 से ग्वांतानामो में रखा गया है।

मलाला ने महिलाओं के खिलाफ 'लैंगिक रंगभेद' की व्यवस्था के लिए अफगान तालिबान की आलोचना की

इस्लामाबाद, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने अफगान तालिबान शासन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने महिलाओं के अपराधों को संस्कृति और धर्म की आड़ में छिपाकर उनके खिलाफ लैंगिक रंगभेद की व्यवस्था स्थापित की है। इस्लामाबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन मुस्लिम देशों में लड़कियों की शिक्षा के विषय पर उन्होंने कहा, ''सरल शब्दों में कहें तो तालिबान महिलाओं को इंसान नहीं मानता। वे अपने अपराधों को सांस्कृतिक और धार्मिक औचित्य की आड़ में छिपाते हैं। ये नीतियां मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं और इस्लामी शिक्षाओं में इनका कोई आधार नहीं है। तालिबान ने 2021 में अशरफ गनी की सरकार को गिराकर फिर से सत्ता हासिल कर ली और तब से महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित करने सहित कई महिला विरोधी नीतियों को वैध बनाकर, अफगानिस्तान पर बेखौफ शासन कर रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला (27) ने अफगान सरकार के देश में इस्लामी व्यवस्था लागू करने के दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ये मानवाधिकारों का उल्लंघन है और कोई भी सांस्कृतिक या धार्मिक बहाना उन्हें उचित नहीं ठहरा सकता। उन्होंने मुस्लिम नेताओं से आग्रह किया कि वे अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने से बचें तथा महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा को सीमित करने वाली उनकी नीतियों के खिलाफ खड़े होकर वास्तविक नेतृत्व का प्रदर्शन करें। उन्होंने

मुस्लिम नेताओं से कहा, उन्हें वै मत बनाइए, क्योंकि उन्होंने तालिबान शास को लैंगिक रंगभेद के अपराधी करार दिया। न्होंने कहा कि अफगानिस्तान में लड़कियों की एक पूरी पीढ़ी से उनका भविष्य छीना जा रहा है।

उन्होंने कहा, तालिबान ने हर अफगान लड़की से सीखने का अधिकार छीन लिया है और वे महिलाओं और लड़कियों को सार्वजनिक जीवन के हर पहलू से खत्म करना चाहते हैं और उन्हें समाज से मिटा देना चाहते हैं। मलाला ने यह भी कहा कि 1.2 करोड़ पाकिस्तानी लड़कियां स्कूल से बाहर हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक संख्या में से एक है, लेकिन उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि यह सम्मेलन पाकिस्तान में हो रहा है। उन्होंने गाजा में इजराइल की कार्रवाई की भी आलोचना की और उस पर क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने तथा मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, गाजा में, इजराइल ने पूरी शिक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों पर बमबारी की है, 90 प्रतिशत से अधिक स्कूलों को नष्ट कर दिया है और स्कूल भवनों में शरण लिये हुए नागरिकों पर अंधाधुंध हमला किया है...। उन्होंने संघर्ष क्षेत्रों में शिक्षा का समर्थन करने तथा महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आग्रह किया। मलाला को 15 वर्ष की आयु में पाकिस्तानी तालिबान द्वारा उनके विरोध के कारण गोली मार दी गई थी, लेकिन वह बच गईं और लड़कियों की शिक्षा की वकालत की वैश्विक प्रतीक बनकर उभरीं।

बिहार के श्रम मंत्री को धमकी देने वाला आजमगढ़ से गिरफ्तार

पटना। बिहार के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी देने के मामले में कार्रवाई हुई है। यूपी के आजमगढ़ से आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार किया है। पटना की सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत ने बताया कि डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर अनुसंधान शुरू की गई। इसमें धमकी भरे कॉल के नंबर की जांच हुई, तब लोकेशन आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र का मिला। पटना पुलिस ने यूपी के फूलपुर पुलिस से संपर्क साधा। इसके बाद धमकी देने वाले युवक संजय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी संजय यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर नीतिश के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी दी थी। मंत्री से 30 लाख की डिमांड की गई थी। रुपए नहीं देने पर अंजाम भुगतने की बात कही गई थी। यूपी में गिरफ्तारी के बाद पटना पुलिस फ्लाइट से यूपी पहुंची। न्यायिक प्रक्रिया के बाद पटना लेकर आई। पूछताछ में यादव ने बताया कि वहां 3 महीने पहले मुंबई से यूपी अपने घर आया था। अपने घर के निर्माण कार्यों में लगा था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर बिहार सरकार के कई मंत्रियों का नंबर निकाला, फोन करने लगा। इसमें उसका एक कॉल बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह का लगा। तभी आरोपी ने 30 लाख की रंगदारी मांगी, नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी।

महाराष्ट्र में तीन साल के दौरान 95,150 सड़क हादसे, 41,612 लोगों ने गंवाई जान

मुंबई। पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में कुल 95,150 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 41,612 लोगों की जान चली गई है। सामने आए आंकड़ों के अनुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। पिछले तीन सालों में यानी 2022 से 2024 तक राज्य में कुल 41,612 लोगों की मौत हुई है। इसका मतलब यह है कि दुर्घटना मृत्यु दर लगभग 43.73 प्रतिशत है। जो कि निश्चित रूप से चिंताजनक बात है। यह आंकड़े राज्य परिवहन विभाग (आरटीओ) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सामने आए हैं। आंकड़ों से पता चला है कि राज्य में 64 प्रतिशत मौतें पीछे की सीट पर बैठे दोपहिया वाहन चलाने वाले लोगों की होती हैं। इनमें से 80 प्रतिशत मामलों में शव बिना हेलमेट के पाए गए। वहीं बात करें मुंबई की तो पिछले साल जनवरी से नवंबर के बीच मुंबई और महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में 4,935 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें से अकेले मुंबई में 2,319 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में दुर्घटनाओं में 1,108 लोग मारे गये। इसी अवधि के दौरान राज्य में 32,801 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 13,823 लोगों की मौत हुई। इस बीच, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में रडार आधारित इंटरसेप्टर वाहन तैनात किए जा रहे हैं। जो कंपनियां प्रति घंटे 1,000 ई-चालान भेज सकेंगी, उन्हें काम करने की अनुमति दी जाएगी। इन वाहनों के शुरू हो जाने पर अगले 15 से 30 दिनों में राज्य भर में मृत्यु दर में कमी आने की संभावना है।

पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से 14 फरवरी तक राहत दी। पूला पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से ओबीसी और विकलांगता कोटा का लाभ उठाने का आरोप लगा है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अग्रिम जमानत की मांग वाली पूजा की याचिका पर दिल्ली सरकार और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस दिया है। मामले की सुनवाई 14 फरवरी को होगी। पूजा पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए आवेदन करते समय गलत जानकारी दी थी, ताकि वे आरक्षण लाभ ले सके। हालांकि, उन्होंने इन सभी आरोपों का खंडन किया है।

लालच-चालाकी नहीं आई काम, तिरुपति बालाजी मंदिर से सोना चुराते गिरफ्तार

-आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से कर रहा था चोरी, 46 लाख का सोना बरामद

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कर्मचारी को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर से आधा किलो से ज्यादा सोना चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कर्मचारी का नाम वी पेंचलैया है। उसने पिछले एक साल में 10 से 15 बार सोने के बिस्किट और ज्वेलरी चुराई। चोरी किए गया सोना 650 ग्राम था और उसकी कीमत 46 लाख रुपए है। तिरुपति मंदिर में लोग प्रसाद, साधारण सिक्कों से लेकर कीमती सोने और चांदी चढ़ाते हैं। मंदिर की दानपेटी में यह डाला जाता है। सोने की चोरी ने मंदिर प्रशासन में हड़कंप मचा दी है, जिस कर्मचारी ने मंदिर में सोने की चोरी की उसे एग्रीगोस कंपनी के जरिए से आउटसोर्स किया गया था। वह श्रीवारी परकमणि में तैनात था। वह धीरे-धीरे चोरी कर रहा था। खास बात है कि इस बार कर्मचारी वीरशेट्टी पेंचलय्या को मंदिर के भंडार से सोना और चांदी की वस्तुएं चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी कर्मचारी पेंचलय्या दो साल से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लिए काम कर रहा था। इस दौरान उसने कई बार चोरी की। वह सोना चुराता और छिपाकर बाहर ले जाता था ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने बताया कि उस पर पर नजर रखी जा रही थी। उसे 100 ग्राम सोने का बिस्किट चुराते हुए पकड़ा गया। यह उसने चुराकर ट्रॉली के पाइप में छिपा दिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने सोने के बिस्कुट और गहने सहित कुल 655 ग्राम सोना और 157 ग्राम चांदी चुराने की बात कबूल की है। पुलिस ने उससे चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

उद्धव की शिवसेना के नेता का छलका दर्द बोले- हमारी हालत भी कांग्रेस जैसी हो गई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र को राजनैतिक चश्मे से देखा जाए तो सत्ता पक्ष हो या विपक्ष कोई भी खुश नहीं है। यहां आए दिन राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार दिल्ली के चक्कर लगाते दिख रहे हैं तो इधर विपक्षी दल उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता का दर्द छलकता दिख रहा है। हाल ही में एक वरिष्ठ नेता और विधायक ने शिवसेना यूबीटी की तुलना कांग्रेस की हालत से कर दी। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हुए हैं, जब मुंबई में बृहमुंबई महानगरपालिका की तैयारियां जारी हैं।

विधायक भास्कर जाधव ने पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठा दिए। सोमवार को उन्होंने रत्नागिरी जिले में चिपलून और आसपास के क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा, यह कहते हुए दुख होता है, लेकिन हमारी पार्टी की हालत कांग्रेस जैसी हो गई है। हमारे पास काम नहीं करने वाले पदाधिकारियों और नेताओं को हटाने की हिम्मत

नहीं है। वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के सुझाव सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि पार्टी के पदाधिकारियों का निश्चित कार्यकाल होना चाहिए। खास बात है कि उस दौरान बैठक में पूर्व सांसद विनायक राउत और उद्धव ठाकरे के करीबी संजय कदम भी मौजूद थे। जाधव ने कहा, हमें गलत फैसलों पर विचार करना होगा और आगे की प्रक्रिया बेहतर करनी होगी। यह संगठन को मजबूत करेगा और आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज हिन्दुत्व सिखा रही है, लेकिन बालासाहब ठाकरे थे, जो ताकतवर कांग्रेस के खिलाफ खड़े हुए थे। उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ता संगठन के लिए मेहनत करना चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से नेता उन लोगों का पक्ष लेते हैं, जो पैसा देते हैं। पार्टी कार्यकर्ता तब ही मेहनत कर सकेंगे, जब नेता ईमानदार होंगे। शिवसेना आग है और कभी कभी हमें जलते कोयलों पर चलना पड़ता है। इस पर, पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि जाधव ने जो भी कहा, उस पर विचार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे समय पर वरिष्ठ नेताओं को देखना चाहिए कि वह क्या बोल रहे हैं। वह जाधव की तरफ से पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठाए जाने से नाराज दिखे।

अंतरिम जमानत के बाद जेल से रिहा होकर अपने आश्रम पहुंचे आसाराम बापू

जोधपुर । 2013 के बलात्कार मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद आसाराम को जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद वे जोधपुर स्थित पाल गांव के अपने आश्रम में पहुंचे, जहां उनके सेवादारों ने आतिशबाजी कर आसाराम का स्वागत किया। जोधपुर के मणाई आश्रम में नाबालिग शिष्या से बलात्कार के मामले में गिरफ्तारी के बाद 2 सितंबर 2013 को आसाराम को जेल में भेजा गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आसाराम को दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 11 साल 4 महीने और 12 दिन की सजा काटने के बाद उन्हें स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मिली। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को उनकी उम्र और बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला देकर 31 मार्च तक जमानत दे दी। उनके वकील निशांत बोरदा ने कहा कि जमानत आवेदन में 7 जनवरी के सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला दिया है, इसमें गुजरात के एक अलग मामले में जमानत दी गई थी।

कोर्ट ने जमानत के लिए कुछ शर्तें लगाईं हैं, इसमें आसाराम अपने अनुयायियों से समूह में नहीं मिल सकते, सभाओं को संबोधित नहीं कर सकते या मीडिया से बात नहीं कर सकते, उन्हें अपने साथ तैनात तीन सुरक्षाकर्मियों का खर्च उठाना होगा। इसके अलावा, उन्हें देश भर में किसी भी आश्रम में रहने और आश्रम या अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति शामिल है।

मायावती ने बिना नाम लिए शाह पर किया हमला, बाबा साहेब का अपमान किया, पश्चाताप भी नहीं किया

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती का 69वां जन्म दिन बुधवार को लखनऊ में पार्टी दफ्तर में मनाया गया। इस मौके पर मायावती ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में बाबा साहेब से लेकर सभी दलित चिंतकों की अवहेलना की गई है। बीजेपी भी मामले में पीछे नहीं है। इस पार्टी के बड़े नेता और मंत्री ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है और इसका पश्चाता भी नहीं किया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों शीतकालीन सत्र के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर काफी विवाद हुआ था। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने शाह का भाषण सोशल मीडिया पर शेयर कर माफी मांगने की मांग की थी। मायावती ने कहा कि गरीब दलितों के लिए हमने अपनी सरकार में

जो योजनाएं चाले की, उन्हें कई राज्यों ने लागू किया। पिछले कुछ सालों से दलित वोट बैंक को तोड़ने के लिए सपा, कांग्रेस और बीजेपी के लोग लगे हैं। इन तीनों दलों से हमें सावधान रहना होगा है। आज के समय में अल्पलसंख्याक समुदाय के लोग भी दबा महसूस कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी से सब परेशान हैं। बसपा कार्यकर्ताओं से अपील कर मायावती ने कहा कि कांग्रेस, बीजेपी और अन्य जातिवादी पार्टियों से सतर्क हो जाओ। अपने अभियन को बढ़ाओ। हमें दुख इस बात का है कि चुनाव में हमारे लोग ऐसी सरकारों को सत्ता में लाते हैं जो पिछड़ों और दलितों को दबाने का काम करते हैं।

कर्नाटक में फिर शुरु हुई तकरार

नए सीएम का इंतजार: ढाई साल पूरे हुए अब सिद्धारमैया को छोड़ना होगी सीएम की कुर्सी?

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर सीएम की कुर्सी को लेकर तकरार बढ़ती नजर आ रही है। हालांकि, अब तक पार्टी या किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इसी बीच खबरें हैं कि राज्य सरकार में मंत्री आरबी टिम्मापुर ने भी सीएम बनने की इच्छा जाहिर कर दी है। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया लगभग आधा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। 2023 में चुनाव जीतने के बाद राज्य में कथित तौर पर ढाई साल बाद सीएम बदलना तय हुआ था।

टिम्मापुर ने कहा, दलित को क्यों मुख्यमंत्री पद नहीं दिया जाना चाहिए? मुझे सीएम क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? खास बात है कि राज्य सरकार में दलित नेता कई अहम पदों पर रहे, लेकिन अब तक कोई भी सीएम नहीं रहा है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद की रेस में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार सबसे प्रबल दावेदार हैं। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कहा जा रहा था कि शिवकुमार सीएम पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं।जानकारों का कहना है कि दलित नेता पर सहमति बनाने के लिए एससी एसटी विधायकों की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला के दखल के बाद इसे रद्द कर दिया गया। कथित तौर पर शिवकुमार के कहने पर हस्तक्षेप किया गया था। जी परमेश्वरा का कहना है, जैसा कि दिखाया जा रहा कि इसे कैंसिल कर दिया गया है। ऐसा नहीं है, सिर्फ टाला गया है।

उन्होंने कहा, कोई भी बैठक को नहीं रोक सकता है। अगर कोई भी कहता है कि वे दलित मुद्दों पर बात करने के लिए बैठक बर्दाश्त नहीं कर सकते, तो हम उन्हें करारा जवाबदेंगे। हमारे पास क्षमता और ताकत है।

रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के नेताओं का कहना है कि अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए सिद्धारमैया रणनीतिक रुख अपना रहे हैं। एक नेता ने कहा, यह खुला राज है कि वह दलित मुख्यमंत्री के आसपास चर्चाएं बढ़ा रहे हैं, ताकि पार्टी के अंदर विरोध को कम किया जा सके। खासतौर से ऐसे समय पर जब उनका आधा कार्यकाल पूरा रहो रहा है। हालांकि, उनकी इस रणनीति का खासतौर से शिवकुमार कैंप विरोध कर रहा है।

वर्क वीजा पर रूस ले जाकर युवाओं को यूक्रेन के साथ जंग में उतार दिया

-कारपेंटर, रसोइयों को रूस में बनाया सैनिक

वाराणसी (एजेंसी)। रसोइया और कारपेंटर के वीजा पर रूस गए उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और मऊ के 14 युवकों को वहां की सेना में भर्ती कराकर रूस-यूक्रेन की जंग में उतार दिया। इनमें से अब तक 3 युवकों की मौत हो गई। 2 की पैर में गोली लगने के बाद भारत वापसी हुई। 9 परिवारों को अभी भी अपने बच्चों के घर लौटने का इंतजार है। परिवार वालों ने सरकार से बच्चों को सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई है। अब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इस मुद्दे को फिर से रूस के सामने सख्ती के साथ उठाया। इसके बाद रूस ने जल्द ही भारतीयों को वापस भेजने का आश्वासन दिया। ऐसे में अब इन 9 परिवारों के अपनों के लौटने की उम्मीद जाग गई है।

मऊ-आजमगढ़ जिले का एजेंट विनोद पूर्वांचल के 14 लोगों को रूस ले गया था। वहां पर 2 लाख रुपए महीने की सैलरी मिलने की बात कही गई। उसने सभी के पासपोर्ट बनवाए। फिर सभी का रूस में कारपेंटर, कुक और सिक्योरिटी गार्ड के काम के लिए वीजा बनवाया। फिर सभी को रूस ले गया। अप्रैल

तक सभी की अपने घर वालों से बात होती रही। उसके बाद नहीं। विनोद की भी आखिरी बार अप्रैल में पिता से बात हुई थी। उसके बाद से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा। अब तक आजमगढ़ के कन्हैया यादव और मऊ के श्यामसुंदर और सुनील यादव की रूस-यूक्रेन जंग में मौत हो गई है। आजमगढ़ के राकेश कुमार और मऊ के बृजेश यादव घायल होने के बाद घर लौट आए। वहीं पूर्वांचल से गए विनोद यादव, जोगिंदर यादव, अरविंद यादव, रामचंद्रा, अजहरुद्दीन खान, हुमेश्वर प्रसाद, दीपक, धीरेंद्र कुमार का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। घर वालों को उनके आने का इंतजार है।

कन्हैया यादव की गोली लगने से मौत

आजमगढ़ के बनकटा के रहने वाले कन्हैया यादव (41) की रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। उसका शव 23 दिसंबर को गांव लाया गया। पिता फौजदार यादव ने बताया- कन्हैया एक एजेंट के जरिए रसोइए का वीजा हासिल कर 16 जनवरी, 2024 को रूस गया था। वहां उसे कुछ दिन रसोइए की ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद उसे सेना की ट्रेनिंग देकर रूसी सेना के साथ युद्ध के लिए भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि युद्ध में कन्हैया घायल हो गया और इलाज के दौरान जून में उसकी मौत हो गई। कन्हैया ने 9 मई को युद्ध में घायल होने की सूचना घर पर दी थी। वह 25 मई तक घर वालों के संपर्क में था, लेकिन इसके बाद कुछ पता नहीं। मास्को में भारतीय दूतावास की ओर से 6 दिसंबर को फोन आया था और 17 जून को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद 23 दिसंबर को शव उसके पैतृक गांव लाया गया। कन्हैया के परिवार में पत्नी गीता यादव, दो बेटे अजय (23) और विजय (19) हैं। अजय यादव का आरोप है कि रूस की सरकार ने 30 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिया है, लेकिन परिवार को अभी तक यह मुआवजा नहीं मिला।

शरद पवार ने मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने पीएम को भेजा आमंत्रण

यह सम्मेलन दिल्ली में 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक प्रमुख मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है। इस कदम को मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए केंद्र के प्रति आभार के रूप में देखा जा रहा है। इस निमंत्रण ने शरद पवार की राजनीतिक रणनीति के बारे में अटकलों को भी जन्म दे दिया है, क्योंकि पिछले साल महाराष्ट्र चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी पार्टी चुनौतियों का सामना कर रही है।

पीएम मोदी को इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष खुद शरद पवार हैं। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के बैनर तले आयोजित किया जाता है। पीएम मोदी को भेजे निमंत्रण में शरद पवार ने कहा कि यह पहली बार है कि यह सम्मेलन दिल्ली में 21-23 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है और याद दिलाया कि इस कार्यक्रम के 37वें संस्करण का उद्घाटन पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

शरद पवार ने सम्मेलन के

ऐतिहासिक महत्व बताते हुए कहा कि यह 1878 में शुरू हुआ था। तब इसे पहली बार न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने पुणे में ग्रंथकार सम्मेलन के रूप में आयोजित किया था। इसमें लोकमान्य तिलक, नामदार गोखले, वी डी सावरकर और काकासाहेब गाडगिल जैसी हस्तियां शामिल हुई थी। पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में उन्होंने हाल ही में मराठी को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने के मद्देनजर पीएम मोदी के इस कार्यक्रम का उद्घाटन किए जाने की उपयुक्तता पर जोर दिया। पवार ने लिखा कि हाल ही में आपके कार्यकाल के दौरान मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इस पृष्ठभूमि में, यह उचित होगा कि इस वर्ष मराठी भाषा और संस्कृति के इस प्रभावशाली संगम का उद्घाटन आपके हाथों हो।

एनसीपी(एसपी) सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शास्त्रीय भाषा का दर्जा सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि पिछले 30-35 सालों में हर राजनीतिक नेता और सीएम ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए काम किया। यह एक बड़ा सम्मान है। यह सामूहिक योगदान के कारण है, न कि किसी एक पार्टी या किसी नेता के कारण।

अवैध घुसपैठ रोकने भारत लगा रहा बाड़, बढ़ रही रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के बीच इनदिनों सबकुछ सही नहीं चल रहा है। रविवार को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। बांग्लादेश ने दोनों देशों की सीमा पर बीएसएफ द्वारा लगाए जा रहे बाड़ को लेकर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। इसके बाद दोनों देशों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल आजादी के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों से सीमा विवाद पर उलझा है। भारत पहले से ही सीमा को लेकर पाकिस्तान और चीन के साथ उलझा हुआ है। अब बांग्लादेश भी टेंशन दे रहा है। इसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय उच्चायुक्त को रविवार को तलब करना।

बांग्लादेश-भारत सीमा पर बाड़ के निर्माण को लेकर दोनों देशों में विवाद पैदा हो गया है। भारत बांग्लादेश से लगातार हो रहे घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर बाड़ का बना रहा है, लेकिन न केवल सीमा पर बने गांव बल्कि बांग्लादेशी सरकार की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आई है। बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। इसके बाद से भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में खटास दिख रही है। रिश्तों की ये खटास शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद से पैदा हुई जो कि आज भी जारी है।

बांग्लादेश में वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मो. यूनुस की अंतरिम देश को चला रही है। यूनुस के सत्ता आने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर बनी हुई है। बांग्लादेश लगातार भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की मांग कर रहा है। तब उधर भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान से प्यार वाली बातें कर रहा हैं। जहां यूनुस सरकार पाकिस्तान से लगातार रिश्तों को बेहतर कर रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान से अलग होने के बाद से बांग्लादेश ने पहली बार वीजा को आसान करने पर जोर दिया है। पा किस्तान के साथ व्यापार को बढ़ाने पर भी जोर दिया ज रहा है। माना जा रहा है, बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार कट्टरपंथियों के प्रति प्रेम वाली भावन दिखा रही है।

इधर बांग्लादेश ने भारतीय उच्च ायुक्त को तलब कर कहा, भारत द्विपक्षीय समझौते क उल्लंघन कर रहा है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। सीमा पर नया विवाद- भारतीय उच्चायुक्त बांग्लादेश के विदे ा सचिव जशीम उद्दीन से मुलाकात करने पहुंचे। करी 45 मिनट तक बैठक चली। बैठक के बाद भारत य उच्चायुक्त ने कहा, 'मैंने विदेश सचिव से मुलाका कर क्राइम मुक्त बॉर्डर सुनिश्चित करने, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी व चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की भा त की प्रतिबद्धता पर चर्चा की।